मुंबई (महाराष्ट्र) से प्रकाशित
हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
हर खबर निष्पक्षता के साथ
मुंबई
वर्ष: 8 अंक 164
शनिवार, 27 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

साहिबजादों ने धार्मिक कट्टरता-आतंकवाद को जड़ से मिटाया: पीएम मोदी

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को वीर साहिबजादों के बलिदान को नमन करते हुए, क्रूर मुगल सल्तनत के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े होकर धार्मिक कट्टरता और आतंक के अस्तित्व को जड़ से उखाड़ फेंकने के उनके साहस और वीरता की सराहना की। वीर बाल दिवस के अवसर पर आयोजित राष्ट्रीय कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वीर साहिबजादों ने, जिन्हें बहुत कम उम्र में मुगल साम्राज्य का सामना करना पड़ा, अत्याचार के विरुद्ध अपने संघर्ष में सभी परिस्थितियों को तोड़ दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आज राष्ट्र वीर बाल दिवस मना रहा है। आज हम उन वीर साहिबजादों को याद करते हैं जो भारत का गौरव हैं। वे भारत के अदम्य साहस, वीरता और साहस की सर्वोच्च अभिव्यक्ति हैं। उन वीर साहिबजादों ने उम्र और परिस्थितियों की सीमाओं को तोड़ दिया। वे क्रूर मुगल सल्तनत के विरुद्ध चट्टान की तरह खड़े रहे और धार्मिक कट्टरता और आतंक के अस्तित्व को जड़ से उखाड़ फेंका। ऐसे गौरवशाली अतीत वाला राष्ट्र कुछ भी हासिल कर सकता है।

26 दिसंबर, 1704 को, गुरु गोविंद सिंह जी के छोटे पुत्रों, साहिबजादा जोरावर सिंह और फतेह सिंह को सरहिंद के नवाब वजीर खान के आदेश पर, सम्राट औरंगजेब के शासनकाल में इस्लाम धर्म अपनाने का विरोध करने के कारण, जिंदा ईंटों में चुनवा दिया गया था। उनके दो बड़े पुत्रों, साहिबजादा अजीत सिंह और साहिबजादा जुझार सिंह ने चमकौर के युद्ध में वीरतापूर्वक लड़ते हुए शहादत प्राप्त की।

वीर बाल दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए, प्रधानमंत्री मोदी ने लोगों को मुगलों के विरुद्ध खड़े होने के वीर साहिबजादों के उद्देश्य

की याद दिलाई। उन्होंने कहा कि वीर बाल दिवस गहरी भावना और श्रद्धा का दिन है। साहिबजादा अजीत सिंह, साहिबजादा जुझार सिंह, साहिबजादा जोरावर सिंह और साहिबजादा फतेह सिंह को बहुत कम उम्र में ही अपने समय की सबसे शक्तिशाली सत्ता का सामना करना पड़ा था। वह लड़ाई भारत के मूलभूत आदर्शों और धार्मिक कट्टरता के बीच थी। यह सत्य और असत्य की लड़ाई थी। उन्होंने आगे कहा कि उस युद्ध के एक तरफ दसवें गुरु, श्री गुरु गोविंद सिंह जी थे, और दूसरी तरफ औरंगजेब का क्रूर शासन था। हमारे साहिबजादे उस समय युवा थे, लेकिन औरंगजेब और उसकी क्रूरता उनकी उम्र को नहीं समझती थी। प्रधानमंत्री ने आगे कहा कि औरंगजेब की क्रूरता के बावजूद, उसके सेनापति उन चार साहिबजादों में से एक को भी नहीं डिगा सके।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि लेकिन औरंगजेब और उसके सैन्य कमांडर यह भूल गए थे कि हमारे गुरु कोई साधारण व्यक्ति नहीं थे। वे तपस्या और त्याग की साक्षात मूर्ति थे। वीर साहिबजादों को उनसे यह विरासत मिली थी, इसलिए भले ही पूरा मुगल साम्राज्य उनके विरुद्ध खड़ा था, वे उन चार साहिबजादों में से एक को भी नहीं हिला सके। प्रधानमंत्री मोदी ने आगे कहा कि वीर बाल दिवस मनाने की उनकी पहल ने साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए एक मंच तैयार किया है। उन्होंने कहा कि जब भी 26 दिसंबर आता है, मुझे यह जानकर संतोष होता है कि हमने साहिबजादों (गुरु गोविंद सिंह के पुत्रों) की वीरता से प्रेरित होकर 'वीर बाल दिवस' मनाना शुरू कर दिया है। पिछले चार वर्षों में, वीर बाल दिवस की इस नई परंपरा ने साहिबजादों की प्रेरणादायक कहानियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाया है। वीर बाल दिवस ने साहसी और प्रतिभाशाली युवाओं के लिए एक मंच भी तैयार किया है।

अल्पसंख्यकों पर हमला अस्वीकार्य : एमके स्टालिन

तमिलनाडु, 26 दिसम्बर। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा कि अल्पसंख्यकों पर हमले अस्वीकार्य हैं और दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा व आवश्यक कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) महासचिव वाइको और अभिनय से राजनीति में आए विजय के नेतृत्व वाले तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) ने भी ईसाई पूजा स्थलों को निशाना बनाकर किए गए कथित हमलों की निंदा की। स्टालिन ने कहा कि बहुसंख्यक लोगों की सच्ची ताकत और चरित्र अल्पसंख्यकों को भयमुक्त जीवन जीने देने में निहित है।

उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा, जब कुछ दक्षिणपंथी हिंसक समूह बहुसंख्यक होने के नाम पर हमले व दंगे करते हैं, वह भी ऐसे समय में जब प्रधानमंत्री क्रिसमस समारोह में भाग ले रहे हैं। यह राष्ट्र को एक चिंताजनक संदेश

देता है।

स्टालिन ने कहा कि मणिपुर के बाद, जबलपुर, रायपुर और अन्य जगहों पर अल्पसंख्यकों पर हमलों की कथित खबरें सद्भाव को महत्व देने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए अस्वीकार्य हैं। उन्होंने कहा कि इसलिए समाज को बांटने वाले दंगाइयों पर अंकुश लगाना एक साझा और आवश्यक कर्तव्य है, जिसे दृढ़ संकल्प के साथ लागू किया जाना चाहिए।

मुख्यमंत्री ने केंद्र में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सत्ता में आने के बाद से अल्पसंख्यकों के खिलाफ नफरत भरे भाषणों में कथित तौर पर 74 प्रतिशत की वृद्धि का दावा करते हुए कहा कि यह गंभीर खतरे का संकेत है।

वाइको ने रायपुर और जबलपुर समेत कई स्थानों पर गिरजाघरों व ईसाइयों को निशाना बनाने वाली हिंदुत्ववादी भीड़ की कड़ी निंदा की तथा संबंधित राज्य सरकारों से हिंसा फैलाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। टीवीके के प्रचार महासचिव के. जी. अरुणराज ने गिरजाघरों पर हुए कथित हमलों की कड़ी निंदा करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से इन कृत्यों की निंदा करने और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

भारत को सिर्फ महाशक्ति नहीं, 'विश्व गुरु' बनने का समय आया : मोहन भागवत

तिरुपति, 26 दिसम्बर। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के प्रमुख मोहन भगवत ने शुक्रवार को तिरुपति स्थित राष्ट्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में भारतीय विज्ञान सम्मेलन (बीवीएस) के उद्घाटन सत्र में भाग लिया और भारत के लिए अंधविश्वासों से उबरने, क्षेत्रीय भाषाओं में ज्ञान को बढ़ावा देने और विकास में संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता पर बल दिया। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू भी इस कार्यक्रम में उपस्थित थे।कार्यक्रम में बोलते हुए भगवत ने कहा कि हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि लोग पुराने अंधविश्वासों से बाहर निकलें, और यह बात उन लोगों पर भी लागू होती है जो नए अंधविश्वासों में फंसे हुए हैं। हमारे प्राचीन मंदिरों की वास्तुकला ऐसी है कि वे अनेक आपदाओं से बचे रहे।

हम पिछले दस हजार वर्षों से पारंपरिक तरीकों से खेती करते आ रहे हैं और मिट्टी आज भी वैसी ही बनी हुई है। आरएसएस प्रमुख ने जोर देकर कहा कि भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है।

उन्होंने आगे कहा कि लेकिन अब, उत्पादन बढ़ाने की आवश्यकता के कारण, पंजाब से जयपुर तक 'कैंसर ट्रेन' चल रही है। भारत का विकास होना तय है क्योंकि यह समय की मांग है। लेकिन भारत को न केवल महाशक्ति बनना है, बल्कि विश्व गुरु भी बनना है। शिक्षा और वैज्ञानिक जागरूकता के महत्व पर बोलते हुए भागवत ने कहा, ह्लहमें यह सुनिश्चित करना होगा कि ज्ञान सभी तक पहुंचे। अपनी मातृभाषा में सीखना बहुत प्रभावशाली होता है। विज्ञान का ज्ञान भारत की विभिन्न भाषाओं में आम आदमी तक पहुंचाया जाना चाहिए। आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री की विकास संबंधी प्रशंसा करते हुए भागवत ने यह भी कहा, मुख्यमंत्री (एन चंद्रबाबू नायडू) ने जो कहा है वह महत्वपूर्ण है, विकास ऐसा नहीं होना चाहिए जिससे समाज में दो अलग-अलग वर्ग बन जाएं।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की लिंचिंग जारी, भारत-विरोधी सोच को मिल रहा बढ़ावा: इमरान मसूद

नई दिल्ली, 26 दिसम्बर। कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने शुक्रवार को कहा कि बांग्लादेश धीरे-धीरे भारत-विरोधी भावनाओं का केंद्र बनता जा रहा है और इस स्थिति से निपटने के लिए ठोस कदम उठाने की मांग की। एएनआई से बात करते हुए, कांग्रेस सांसद ने बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समुदाय पर हुए हमलों की निंदा करते हुए कहा कि धर्म के नाम पर लोगों को निशाना बनाना और उन पर अत्याचार करना बेहद गलत है।

मसूद ने कहा कि बांग्लादेश की स्थिति निश्चित रूप से चिंताजनक है। बांग्लादेश भारत-विरोधी भावनाओं का केंद्र बनता जा रहा है। हमें प्रभावी कदम उठाने चाहिए... बांग्लादेश में लोगों को धर्म के नाम पर निशाना बनाया जा रहा है और उन पर अत्याचार किया जा रहा है, जो बहुत बुरा है। इससे पहले, विदेश मामलों के पूर्व राज्य मंत्री एमजे अकबर ने

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार की कड़ी आलोचना करते हुए उस पर देश में अल्पसंख्यकों पर हो रही लगातार लिंचिंग और हमलों के बीच चरमपंथी ताकतों को खुश करके हिंदुओं के प्रति नफरत को एक विचारधारा के रूप में बढ़ावा देने का आरोप लगाया था।

बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों की हाल ही में हुई लिंचिंग की घटनाओं पर एएनआई से बात करते हुए अकबर ने कहा कि बांग्लादेश तुष्टीकरण के एक गंभीर संकट का सामना कर रहा है, जहां सत्ता में मौजूद सबसे चरमपंथी ताकतों को बढ़ावा दिया जा रहा है। उन्होंने मुख्य सलाहकार मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली मौजूदा अंतरिम सरकार की व्यापक शासन विफलता पर प्रकाश डाला और आरोप लगाया कि सत्ता प्रतिष्ठान अपनी राजनीतिक अस्तित्व को बनाए रखने के लिए इन तत्वों को पनाह दे रहा है, जिसके चलते ऐसे अपराधों को बढ़ावा मिल रहा है।

पूर्व राज्य मंत्री ने कहा कि बांग्लादेश तुष्टीकरण के एक गंभीर संकट से गुजर रहा है। देश की सबसे क्रूर ताकतों को तुष्टीकरण दिया जा रहा है। ऐसे लोग जो हिंदुओं से नफरत को एक विचारधारा मानते हैं। वे यह नहीं समझते कि नफरत कोई विचारधारा नहीं है। लेकिन उनके अपराध को इस तथ्य से बढ़ावा मिल रहा है कि वहां का सत्ता प्रतिष्ठान इसे पनपने दे रहा है। देश के सामने आने वाली सबसे बड़ी समस्याओं में से एक यह है कि मौजूदा अंतरिम सरकार में शासन की बिल्कुल भी समझ नहीं है। ये बयान बांग्लादेश से दो हिंदू युवकों की लिंचिंग की घटनाओं के सामने आने के बाद आए हैं।

बुधवार को डेली स्टार ने खबर दी कि राजबारी के पांगशा उप-जिले के कालीमोहोर संघ के होसेनडांगा गांव में अमृत मंडल नामक एक हिंदू युवक की जबरन वसूली के आरोप में भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस को कल रात सूचना मिलते ही वह मौके पर पहुंची और सम्राट को गंभीर हालत में बचाया। मंडल की हत्या बांग्लादेश के मयमनसिंह जिले में हिंदू युवक दीपू चंद्र दास की भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या और शव जलाने की घटना के कुछ दिनों बाद हुई है।

18 दिसंबर को एक कपड़ा कारखाने में काम करने वाले दीपू चंद्र दास को कथित ईशनिंदा के आरोप में भीड़ ने पीट-पीटकर मार डाला और उसके शव को फांसी पर लटकाकर आग लगा दी।

मुखर्जी, उपाध्याय और अटल के दृष्टिकोण को आगे बढ़ा रहे प्रधानमंत्री मोदी : योगी आदित्यनाथ

लखनऊ, 26 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तीन महान नेताओं-पंडित श्यामा प्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी ने भारत को नयी दिशा दी और उनकी विरासत को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ाया जा रहा है।

यहां पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की 101वीं जयंती के अवसर पर मोदी द्वारा राष्ट्र प्रेरणा स्थल के लोकार्पण के मौके पर आयोजित समारोह को संबोधित करते हुए आदित्यनाथ ने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी के भारत के उज्ज्वल भविष्य को लेकर कहे गए शब्द केवल आशा की अभिव्यक्ति नहीं थे, बल्कि राष्ट्र के प्रति उनके दूरदर्शी दृष्टिकोण, गहरे विश्वास

और दृढ़ संकल्प को दर्शाते थे।

उन्होंने कहा, जब वाजपेयी ने अपनी कविता में अंधेरा छंटेगा, सूरज उगेगा और कमल खिलेगा की बात कही थी, तो वह भारत के उज्ज्वल भविष्य में उनके अटूट विश्वास का प्रतीक था और एक ऐसा दृष्टिकोण था जो आज विकसित भारत के रूप में साकार होता दिख रहा है।

योगी ने कहा, अटल जी ने कवि, पत्रकार, राष्ट्रवादी विचारक और भारत के सच्चे सपूत के रूप में जो नेतृत्व दिया, उसे हर भारतवासी आज विकास के नए रूप में देख रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा, वाजपेयी की जन्म शताब्दी वर्ष के अवसर पर आयोजित राष्ट्र प्रेरणा स्थल समारोह के मुख्य अतिथि-हम सबके मार्गदर्शक, अमृत काल के सारथी, आत्मनिर्भर एवं विकसित भारत के शिल्पकार, विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता एवं देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मैं उत्तर प्रदेश की जनता की ओर से स्वागत करते हैं।

योगी ने कहा,प्रधानमंत्री जी की प्रेरणा से जब हम आत्मनिर्भर विकसित भारत का वर्तमान स्वरूप देख रहे है, तो कहीं न कहीं डॉ.श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय व श्रद्धेय अटल जी का वह मार्गदर्शन भी एक नई प्रेरणा के रूप में हम सबके सामने रहता है।

उन्होंने कहा, आज भारत माता के उन महान सपूतों के प्रति नमन करने का अवसर भी है। महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी महान शिक्षाविद महामना मदन मोहन मालवीय जी, जिन्होंने काशी में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय की स्थापना की थी। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी (मालवीय की) सेवाओं को देखते हुए प्रधानमंत्री ने उनको भारत रत्न देकर उनकी सेवाओं को सम्मानित किया। योगी ने कहा कि बिजली पासी ऐसे महान योद्धा थे, जिनके बारे में हर भारतीय के मन में एक नई प्रेरणा प्राप्त होती है।

पंजाब के मलेरकोटला में एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने जहर खाकर आत्महत्या की

पंजाब। पंजाब के मलेरकोटला जिले के भुदन गांव में 31 वर्षीय एक महिला, उसके बेटे और उसकी मां ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी की। पुलिस ने महिला की सास समेत कई लोगों के खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में मामला दर्ज किया है। विधवा इंदरपाल कौर ने कथित तौर पर जहर खाने से पहले एक वीडियो बनाया था, जिसमें उसने स्वयं को और अपने परिवार को परेशान करने तथा धमकाने के आरोप में कम से कम 10 लोगों के नाम लिए थे। मलेरकोटला के पुलिस अधीक्षक सतपाल शर्मा ने बताया कि बुधवार को भुदन गांव स्थित उनके घर से इंदरपाल कौर और उनकी मां हरदीप कौर के शव बरामद किए गए।

गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती -27 दिसम्बर 2025

गुरु गोविन्द सिंहः हिन्दू धर्म और संस्कृति के रक्षक

-ललित गर्ग

भारत की आध्यात्मिक और सांस्कृतिक परंपरा में गुरु गोविंद सिंह जी का स्थान अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायी है। वे केवल सिख धर्म के दसवें गुरु ही नहीं थे, बल्कि एक महान योद्धा, दार्शनिक, समाज-सुधारक, हिन्दू धर्म-संस्कृति के रक्षक और राष्ट्र-चेतना के जाग्रत प्रतीक थे। उनकी महान् तपस्वी, महान् कवि, महान् योद्धा, महान् संत सिपाही साहिब आदि स्वरूपों में पहचान होती है। गुरु गोविंद सिंह की जयंती केवल एक ऐतिहासिक तिथि नहीं, बल्कि मानवता को साहस, न्याय, आत्मसम्मान और धर्मरक्षा का संदेश देने वाला पर्व है। उनकी जीवन-यात्रा अन्याय के प्रतिकार, सत्य की स्थापना और मानव गरिमा की रक्षा के लिए समर्पित रही। वे संपूर्ण भारतीय समाज के आस्था के केंद्र हैं, उनके जीवन से हमें राष्ट्रप्रेम और मानवतावादी धर्म की प्रेरणा मिलती है।

गुरु गोविंद सिंह जी का जन्म 22 दिसंबर 1666 को पटना साहिब (वर्तमान बिहार) में हुआ। उनके पिता गुरु तेग बहादुर जी सिखों के नौवें गुरु थे, जिन्होंने धार्मिक स्वतंत्रता और मानव अधिकारों की रक्षा के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया। पिता के इस अद्वितीय त्याग ने गुरु गोविंद सिंह जी के व्यक्तित्व को गहराई से प्रभावित किया। बहुत कम आयु में ही उन्होंने यह समझ लिया कि धर्म केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं, बल्कि अन्याय के विरुद्ध खड़े होने का साहस भी है। उनका संपूर्ण जीवन संघर्ष, तपस्या और सेवा का अद्भुत संगम रहा। उन्होंने धर्म को कर्म से जोड़ा और आध्यात्मिकता को सामाजिक उत्तरदायित्व का रूप दिया। उनका स्पष्ट संदेश था कि सच्चा धर्म वह है जो निर्बलों की रक्षा करे, अत्याचार का विरोध करे और मानव को आत्मसम्मान के साथ जीना सिखाए। वे कहते थे कि भय से मुक्त होकर सत्य के मार्ग पर चलना ही सच्ची भक्ति है।

1699 में बैसाखी के पावन अवसर पर गुरु गोविंद सिंह जी ने खालसा पंथ की स्थापना कर इतिहास की दिशा ही बदल दी। खालसा का अर्थ है-शुद्ध, निर्भीक और समर्पित जीवन। उन्होंने पाँच प्यारे बनाकर समानता, भाईचारे और त्याग का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। खालसा की दीक्षा के माध्यम से उन्होंने जाति, वर्ग और ऊँच-नीच के भेद को समाप्त कर दिया। उन्होंने खालसा पंथ के अनुयायियों को पंच ककार केश, कड़ा, कंघा, कृपाण, कच्छा धारण करने का निर्देश दिया। ये शौर्य, शुचिता तथा अन्याय के विरुद्ध संघर्ष के संकल्प के प्रतीक हैं। गुरु ने सिखाया कि सभी मनुष्य ईश्वर की संतान हैं और सबका सम्मान समान है। गुरु गोविंद सिंह की शिक्षाओं का केंद्रबिंदु साहस और करुणा का संतुलन है। वे एक ओर शस्त्र धारण करने की प्रेरणा देते हैं, तो दूसरी ओर दया, प्रेम और सेवा को जीवन का आधार बताते हैं। उनका प्रसिद्ध कथन-ह्लजब सब उपाय विफल हो जाएँ, तब धर्म के लिए तलवार उठाना न्यायोचित हैह्व-यह स्पष्ट करता है कि हिंसा उनका उद्देश्य नहीं थी, बल्कि अत्याचार के विरुद्ध अंतिम विकल्प थी।

गुरु गोविंद सिंह भारतीय जीवन मूल्यों की रक्षा और समाज को नए सिरे से संगठित एवं सशक्त करने वाले एक महापुरुष हैं, उनका व्यक्तित्व अलौकिक, साहसी एवं भारतीयता से ओतप्रोत था। उन्होंने आनंदपुर का सुख, माता पिता की छांव और बच्चों का मोह छोड़कर धर्म रक्षा का मार्ग चुना। उन्होंने दमन, अन्याय, अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी। गुरु तेग बहादुर के बलिदान के बाद 11 नवंबर 1675 को नौ साल की उम्र में गुरु गोबिंद सिंह सिखों के दसवें गुरु बने। दुनिया में देश व धर्म की रक्षार्थ अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले महापुरुष तो अनेक मिलेंगे किन्तु अपनी तीन पीढ़ियों, बल्कि यों कहें कि अपने पूरे वंश को इस पुनीत कार्य हेतु बलिदान करने वाले विश्व में शायद एकमेव महापुरुष गुरु गोविन्द सिंहजी ही है। जिन्होंने त्याग, बलिदान एवं कर्तृत्ववाद का संदेश दिया। भाग्य की रेखाएं स्वयं निर्मित की। स्वयं की अनन्त शक्तियों पर भरोसा और आस्था जागृत की। सभ्यता और संस्कृति के प्रतीकपुरुष के रूप में जिन्होंने एक नया जीवन-दर्शन दिया, जीने की कला सिखलाई। जिनको बहुत ही श्रद्धा व प्यार से कलगीयां, सरबंस दानी, नीले वाला, बाला प्रीतम, दशमेश पिता आदि नामों से पुकारा जाता है। भारत में फैली दहशत, डर और जनता का हारा हुआ मनोबल देखकर उन्होंने कहा ह्यह्यमैं एक ऐसे पंथ का सृजन करूँगा जो सारे विश्व में विलक्षण होगा। जिससे मेरे शिष्य संसार के असंख्य लोगों में पहली ही नजर में पहचाने जा सकेंगे। जैसे हिरनों के झुंड में शेर और बगुलों के झुंड में हंस। वह केवल बाहर से अलग न दिखे बल्कि आंतरिक रूप में भी ऊँचे, साहसी और सच्चे विचारों वाले हो।

गुरु गोविंद सिंह एक महान कवि और विद्वान भी थे। उनकी रचनाएँ दसम ग्रंथ में संकलित हैं, जिनमें वीर रस, भक्ति, नीति और दर्शन का अद्भुत समन्वय मिलता है। उनकी कविताएँ आत्मबल जगाती हैं और जीवन में धर्म व मयार्दा का बोध कराती हैं। उन्होंने भाषा, साहित्य और संस्कृति के माध्यम से समाज में जागरण का कार्य किया। उनका पारिवारिक जीवन भी त्याग और बलिदान की अनुपम गाथा है। उनके चारों पुत्र-साहिबजादे, धर्म और सत्य की रक्षा करते हुए शहीद हुए। छोटे साहिबजादों को दीवार में चुनवा दिया गया, फिर भी गुरु गोविंद सिंह जी विचलित नहीं हुए। उन्होंने इसे ईश्वर की इच्छा मानकर मानवता को यह संदेश दिया कि सत्य और धर्म की रक्षा के लिए व्यक्तिगत दुख भी स्वीकार्य है। यह जीवन-चरित्र मानव इतिहास में दुर्लभ उदाहरण है।

गुरु गोविंद सिंह जी ने न केवल सिख समुदाय, बल्कि संपूर्ण मानवता को आत्मसम्मान और निर्भीकता का पाठ पढ़ाया। उन्होंने स्त्रियों को समान सम्मान दिया और सामाजिक कुरीतियों का विरोध किया। उनका जीवन बताता है कि आध्यात्मिक व्यक्ति समाज से पलायन नहीं करता, बल्कि समाज को न्यायपूर्ण बनाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाता है। उनका एक अत्यंत क्रांतिकारी निर्णय था-गुरुगद्दी को किसी व्यक्ति के स्थान पर गुरु ग्रंथ साहिब को सौंपना। इससे उन्होंने यह स्पष्ट किया कि गुरु का स्वरूप शाश्वत ज्ञान है, न कि देह। यह निर्णय लोकतांत्रिक चेतना, विनम्रता और आध्यात्मिक परिपक्वता का प्रतीक है। आज जब विश्व हिंसा, असहिष्णुता, भेदभाव और नैतिक संकटों से जूझ रहा है, गुरु गोविंद सिंह की शिक्षाएँ पहले से अधिक प्रासंगिक हो गई हैं। वे हमें सिखाते हैं कि साहस के बिना सत्य अधूरा है और करुणा के बिना शक्ति विनाशकारी। उनका जीवन संतुलित, मूल्यनिष्ठ और उद्देश्यपूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देता है।

गुरु गोविन्द सिंहजी का जीवन एक कर्मवीर की तरह था। भगवान श्रीकृष्ण की तरह उन्होंने भी समय को अच्छी तरह परखा और तदनुसार कार्य आरम्भ किया। उनकी प्रमुख शिक्षाओं में ब्रह्मचर्य, नशामुक्त जीवन, युद्ध-विद्या, सदा शस्त्र पास रखने और हिम्मत न हारने की शिक्षाएँ मुख्य हैं। उनकी नजर में सत्ता से ऊंचा स्वराष्ट्र, स्व-अस्तित्व, समाज एवं मानवता का हित सर्वोपरि था। यूं लगता है वे हिन्दू जीवन-दर्शन के पुरोधा बन कर आए थे। उनकी इच्छा थी कि प्रत्येक भारतवासी सिंह की तरह एक प्रबल प्रतापी जाति में परिणत हो जाये और भारत का उद्धार करें। गुरु गोविन्द सिंह जैसे महापुरुष इस धरती पर आये जिन्होंने सबको बदल देने का दंभ तो नहीं भरा पर अपने जीवन के साहस एवं शौर्य से डर एवं दहशत की जिन्दगी को विराम दिया। उनके कारण ही हिन्दू अपने अस्तित्व एवं अस्मिता को कायम रख पाये।

गुरु गोविंद सिंह जी की जयंती पर देश और दुनिया के लिए उनका संदेश स्पष्ट है-डरो मत, झुको मत और अन्याय के सामने कभी समझौता मत करो। अपने भीतर की शक्ति को पहचानो, पर उसका प्रयोग सदैव धर्म, मानवता और न्याय के लिए करो। सत्य के मार्ग पर चलने वाले को ईश्वर स्वयं शक्ति देता है। आज आवश्यकता है कि हम उनकी शिक्षाओं को केवल स्मरण न करें, बल्कि अपने जीवन में उतारें। सत्यनिष्ठा, सेवा, साहस, समानता और त्याग-यदि ये मूल्य हमारे व्यवहार का हिस्सा बन जाएँ, तो समाज में स्वतः ही शांति और सद्भाव का वातावरण निर्मित होगा। उनकी जयंती हमें यह संकल्प लेने का अवसर देती है कि हम एक ऐसे विश्व के निर्माण में सहभागी बनें, जहाँ भय नहीं, बल्कि न्याय का शासन हो। उनका जीवन दीपस्तंभ की तरह है, जो अंधकार में भी मार्ग दिखाता है। उनकी शिक्षाएँ समय, देश और सीमाओं से परे हैं।

कर्नाटक का एंटी-हेट बिल नफरत रोकने की मंशा या अभिव्यक्ति पर सियासी शिकंजा?

-अजय कुमार

कर्नाटक विधानसभा से 18 दिसंबर 2025 को पारित हुआ ह्यकर्नाटक हेट स्पीच एंड हेट क्राइम्स (प्रिवेंशन) बिल, 2025 सिर्फ एक नया कानून नहीं, बल्कि भारतीय लोकतंत्र में अभिव्यक्ति की आजादी, राज्य की शक्ति और सामाजिक सद्भाव के बीच चल रही खींचतान का ताजा अध्याय बन गया है। कांग्रेस सरकार इसे समाज में बढ़ती नफरत और हिंसा के खिलाफ जरूरी औजार बता रही है, जबकि भारतीय जनता पार्टी और कई सिविल लिबर्टीज समूह इसे काला कानून करार देकर लोकतांत्रिक मूल्यों के लिए खतरा मान रहे हैं। यह पहली बार है जब किसी राज्य ने हेट स्पीच को परिभाषित करते हुए अलग से व्यापक कानून बनाया है, इसलिए इसकी गूंज कर्नाटक से बाहर पूरे देश में सुनाई दे रही है। सरकार का तर्क है कि मौजूदा कानूनी ढांचा नाकाफी साबित हुआ है। भारतीय न्याय संहिता की धारा 196, 299 या आईटी एक्ट जैसे प्रावधान सार्वजनिक व्यवस्था पर केंद्रित हैं, न कि नफरत से प्रेरित भाषण और अपराध की जड़ों पर। राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो के आंकड़े भी इसी ओर इशारा करते हैं। 2020 में धारा 153अ के तहत दर्ज मामलों में दोषसिद्धि दर महज 20.2 प्रतिशत रही, जबकि गिरफ्तारियां कहीं ज्यादा हुईं। कांग्रेस का कहना है कि कम सजा दर का मतलब है कि नफरत फैलाने वाले अक्सर बच निकलते हैं और समाज में जहर घोलने का सिलसिला जारी रहता है। इसी कमी को दूर करने के लिए 1 से 7 साल और दोबारा अपराध पर 10 साल तक की सजा, गैर-जमानती प्रावधान और पीड़ित मुआवजे जैसी धाराएं जोड़ी गई हैं।

लेकिन विपक्ष की आपत्ति यहीं से शुरू होती है। भाजपा नेताओं का कहना है कि बिल में हेट स्पीच की परिभाषा इतनी व्यापक और अस्पष्ट है कि सामान्य आलोचना, राजनीतिक भाषण, व्यंग्य या सांस्कृतिक अभिव्यक्ति भी इसके दायरे में आ सकती है। नेता प्रतिपक्ष आर. अशोक ने विधानसभा में कहा कि यह विधेयक पुलिस को हिटलर बना देगा और सत्ता के हाथ में ऐसा हथियार देगा, जिससे असहमति को आसानी से कुचला जा सके। सी. टी. रवि ने सुप्रीम कोर्ट के पुराने फैसलों का हवाला देते हुए कहा कि बोलने की स्वतंत्रता संविधान की मूल संरचना का हिस्सा है और इसे किसी भी सूरत में कमजोर नहीं किया जा सकता। आलोचकों की सबसे बड़ी चिंता इसके दुरुपयोग की संभावना को लेकर है। गैर-जमानती अपराध होने के कारण पुलिस बिना वारंट गिरफ्तारी कर सकती है। चुनावी माहौल में यह आशंका जताई जा रही है कि सत्ताधारी दल विपक्षी नेताओं के भाषण या सोशल मीडिया पोस्ट को ह्यनफरत फैलाने वाला बताकर एफआईआर दर्ज कर सकता है। अतीत में ऐसे उदाहरण सामने आ चुके हैं, जहां ह्यभारत माता की जय जैसे नारों पर भी मामले दर्ज हुए और बाद में अदालतों ने उन्हें रद्द किया। नए कानून के तहत ऐसी कार्रवाइयों का दायरा और बढ़ सकता है। सोशल मीडिया और पत्रकारिता भी इस बहस के केंद्र में हैं। बिल राज्य सरकार को इलेक्ट्रॉनिक सामग्री ब्लॉक या हटाने का अधिकार देता है, वह भी बिना किसी अदालती आदेश के। आलोचकों का कहना है कि इससे खोजी पत्रकारिता, सामाजिक मुद्दों पर रिपोर्टिंग और सत्ता की आलोचना पर सेंसरशिप का खतरा पैदा होगा। आईटी एक्ट की धारा 66ए को 2015 में सुप्रीम कोर्ट ने इसी तरह की अस्पष्टता के कारण रद्द किया था, लेकिन नए बिल में वही शक्तियां एक अलग रास्ते से लौटती दिख रही हैं।

समर्थकों की दलीलें भी कमजोर नहीं हैं। अल्पसंख्यक समुदायों, खासकर ईसाई संगठनों ने चर्चों और धार्मिक स्थलों पर हमलों के संदर्भ में इस कानून का स्वागत किया है। उनका कहना है कि हेट स्पीच अक्सर वास्तविक हिंसा का रास्ता खोलती है और अगर शुरूआती स्तर पर सख़्त कार्रवाई हो, तो बड़े टकराव रोके जा सकते हैं। सुप्रीम कोर्ट भी पिछले कुछ वर्षों में इस दिशा में सक्रिय रहा है। 2022 में शीर्ष अदालत ने पुलिस को स्वतः संज्ञान लेकर हेट स्पीच के मामलों में कार्रवाई करने के निर्देश दिए थे और चेतावनी दी थी कि ढिलाई को अवमानना माना जाएगा। हालांकि बाद में अदालत ने यह भी माना कि हर मामले की निगरानी संभव नहीं है और असली चुनौती कानून के क्रियान्वयन में है कर्नाटक का यह बिल विधि आयोग की 267वीं रिपोर्ट और 2022 के निजी सदस्य विधेयक की सिफारिशों की झलक भी दिखाता है, जहां सेक्सुअल ओरिएंटेशन और जेंडर जैसी श्रेणियों को शामिल कर संरक्षित समूहों का दायरा बढ़ाने की बात कही गई थी। साथ ही सामूहिक दायित्व की अवधारणा लाकर संगठनों से जुड़े पदाधिकारियों को भी जवाबदेह बनाने का प्रावधान किया गया है। यह प्रावधान अपने आप में नया और विवादास्पद है, क्योंकि इससे संगठनात्मक गतिविधियों पर भी आपराधिक ज़िम्मेदारी तय हो सकती है। असल सवाल यही है कि क्या यह कानून नफरत रोकने में कारगर साबित होगा या फिर अभिव्यक्ति की आजादी पर सियासी शिकंजा बनेगा। भारतीय अनुभव बताता है कि कानून से ज्यादा महत्वपूर्ण उसका निष्पक्ष और संतुलित इस्तेमाल है। अगर प्रवर्तन एजेंसियां राजनीतिक दबाव से मुक्त होकर काम करें और अदालतें सख़्ती से निगरानी रखें, तो यह कानून सामाजिक सद्भाव का औजार बन सकता है। लेकिन अगर इसे चुनिंदा तरीके से लागू किया गया, तो वही आशंका सच हो सकती है, जिसे आलोचक आज काले कानून के रूप में देख रहे हैं। कर्नाटक ने एक नई मिसाल पेश की है; अब देश की निगाहें इस पर टिकी हैं कि यह मिसाल लोकतंत्र को मजबूत करेगी या बहसों को और तीखा।

नवसंयोगों की सुबहः 2026 का सूर्य और नए भारत की उम्मीद, नए संकल्पों की पुकार

-सुरेश गांधी

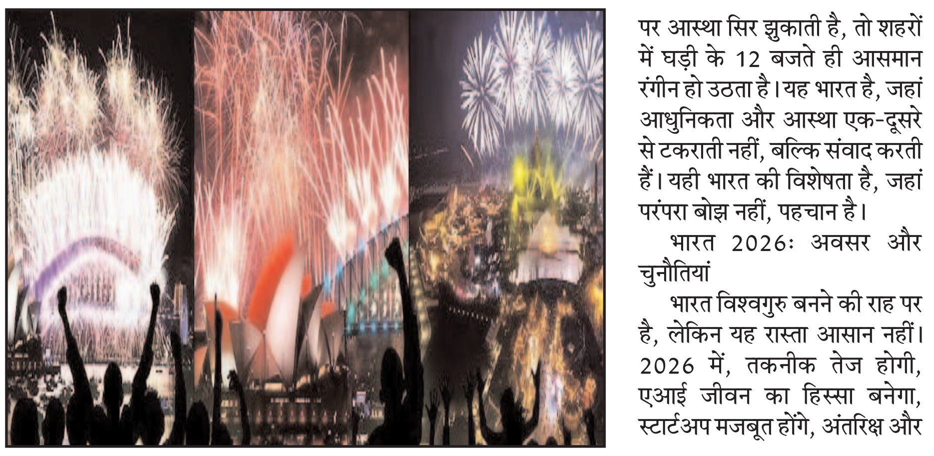

नया साल जब दस्तक देता है, तो वह केवल कैलेंडर का पन्ना नहीं पलटता, बल्कि मनुष्य के भीतर उम्मीदों, आशंकाओं और संकल्पों का नया अध्याय खोलता है। हर बीतता वर्ष कुछ यादें छोड़ जाता है, कुछ ऐसी जिन्हें भुला पाना आसान होता है और कुछ ऐसी जो निगाहों में हमेशा के लिए दर्ज हो जाती हैं। ऐसे ही स्मृतियों के बोझ और अनुभवों की पूंजी के साथ जब साल 2026 का सूर्य उदय होगा, तो वह सामान्य नहीं होगा। वैदिक पंचांग के अनुसार, नववर्ष 2026 की पहली सुबह 9 दुर्लभ ज्योतिषीय संयोगों के साथ आरंभ हो रही है, त्रयोदशी तिथि, गुरु प्रदोष व्रत, रवि योग, शुभ - शुक्ल योग, रोहिणी नक्षत्र और उच्च राशि में चंद्रमा, मानो आकाश स्वयं भविष्य का संकेत दे रहा हो। यह संयोग केवल पूजा-पाठ या धार्मिक आस्था तक सीमित नहीं हैं, बल्कि जीवन-दर्शन का संदेश देते हैं कि स्थिरता, धैर्य, विवेक और कर्म के संतुलन से ही आगे का रास्ता बनता है। ऐसे समय में जब देश तकनीक, विकास और वैश्विक नेतृत्व की ओर बढ़ रहा है, यह नववर्ष आत्ममंथन और आत्मविश्वास, दोनों का आह्वान करता है

नया साल सिर्फ कैलेंडर की तारीख बदलने का नाम नहीं होता। यह समय के प्रवाह में एक मानसिक विराम होता है, जहां मनुष्य ठहरकर पीछे देखता है, वर्तमान को टटोलता है और भविष्य की ओर उम्मीदों का दीप जलाता है। लेकिन साल 2026 की शुरूआत साधारण नहीं है। यह सिर्फ एक नववर्ष नहीं, बल्कि संयोगों, संकेतों और संकल्पों से भरा एक दुर्लभ अवसर है। नववर्ष 2026 का आरंभ एक ऐसे क्षण में हो रहा है, जब आस्था और आधुनिकता, परंपरा और प्रगति, एक-दूसरे से टकरा नहीं रहीं, बल्कि संवाद कर रही हैं। 1 जनवरी 2026, जब वर्ष का पहला सूर्योदय होगा, उस दिन आकाश, ग्रह, नक्षत्र और तिथि मानो एक साथ कोई संदेश दे रहे होंगे। वैदिक पंचांग के अनुसार, इस दिन 9 शुभ और दुर्लभ ज्योतिषीय संयोग बन रहे हैं, जो इस वर्ष को आध्यात्मिक ही नहीं, सामाजिक और राष्ट्रीय स्तर पर भी विशेष बनाते हैं। मतलब साफ है 1 जनवरी 2026, गुरुवार का दिन। पौष मास, शुक्ल पक्ष की त्रयोदशी। शास्त्रों की भाषा में यह दिन भगवान शिव को समर्पित है और उसी दिन गुरु प्रदोष व्रत का संयोग इसे विशेष बना देता है। यह महज एक धार्मिक तिथि नहीं, बल्कि उस संतुलन का प्रतीक है, जहां शिव का वैराग्य और विष्णु का संरक्षण एक साथ जीवन को दिशा देते हैं।

त्रयोदशी को शिव की प्रिय तिथि कहा गया है। मान्यता है कि इस दिन शिव का वास नंदी पर होता है, नंदी, जो प्रतीक हैं धैर्य, निष्ठा और सेवा के। यह संकेत है कि 2026 में सफलता का मार्ग शोर से नहीं, स्थिरता से निकलेगा। तेज दौड़ नहीं, निरंतर कदम, यही इस वर्ष का मूलमंत्र हो सकता है। गुरु प्रदोषः अर्थात जब शिव और विष्णु दोनों की कृपा हो. 1 जनवरी 2026 को पड़ने वाला गुरु प्रदोष व्रत केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन-संतुलन का प्रतीक है। गुरुवारकृजो भगवान विष्णु और माता लक्ष्मी को समर्पित है, और प्रदोषकृजो शिव-पार्वती की आराधना का काल है, इन दोनों का संगम सुख, समृद्धि और विवेक का प्रतीक बन जाता है। यह संयोग बताता है कि बिना धर्म के अर्थ अधूरा है. बिना विवेक के विकास अस्थिर है. रवि योग और सूर्य का संदेशः आत्मविश्वास का वर्ष अर्थात 2026 को ज्योतिषाचार्य ह्लसूर्य का वर्षह्व मान रहे हैं। और संयोग देखिए कि नववर्ष के पहले ही दिन रवि योग का निर्माण हो रहा है। सूर्य, जो नेतृत्व, साहस, आत्मबल और राष्ट्रचेतना का प्रतीक है। रवि योग में किए गए कार्यों में विघ्न नहीं आते। यह योग नए संकल्प, नई शुरूआत और निर्णायक फैसलों के लिए श्रेष्ठ माना जाता है। यह संयोग केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं, बल्कि राष्ट्र के सामूहिक आत्मविश्वास की ओर भी संकेत करता है।

सूर्य का वर्ष और रवि योग का संदेश

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार 2026 को सूर्य का वर्ष माना जा रहा है। सूर्य आत्मविश्वास, नेतृत्व और चेतना का प्रतीक है। नववर्ष के पहले दिन रवि योग का बनना यह बताता है कि यह समय निर्णय लेने का है, डर के साथ नहीं, विवेक के साथ। ऐसे योग में आरंभ किए गए कार्यों में बाधाएं कम आती हैं। व्यक्तिगत जीवन हो या राष्ट्रीय योजनाएं, स्पष्ट सोच और साहसिक कदम इस वर्ष की पहचान बन सकते हैं।

शुभ योग, शुक्ल योग और नक्षत्रों का संकेत

1 जनवरी को सुबह से शाम तक शुभ योग रहेगा, उसके बाद शुक्ल योग आरंभ होगा। शुभ योग में किए गए कार्यों को सिद्धि का कारक माना जाता है, वहीं शुक्ल योग नई शुरूआत और निवेश के लिए अनुकूल है। दिनभर रोहिणी नक्षत्र और रात में मृगशिरा नक्षत्र का प्रभाव रहेगा। रोहिणी उर्वरता और विकास का प्रतीक है, यानी यह वर्ष बीज बोने और उसे सींचने का है। चंद्रमा का वृषभ राशि में उच्च होना मानसिक संतुलन और भावनात्मक स्थिरता का संकेत देता है। जब मन स्थिर होता है, तभी निर्णय सही दिशा में जाते हैं, चाहे वह व्यक्ति का जीवन हो या राष्ट्र की नीतियां। मतलब साफ है, 2026 भावनाओं में बहने का नहीं, विवेक के साथ आगे बढ़ने का वर्ष है।

कुछ राशियों के लिए विशेष संकेत

मेषः आत्मविश्वास की नई ऊंचाई। करियर में स्थिरता और पारिवारिक सामंजस्य। आर्थिक निर्णय सोच-समझकर लेने पर लाभकारी।

कन्याः योजनाओं को दिशा मिलेगी। मीडिया, लेखन, शिक्षा और व्यापार से जुड़े जातकों के लिए अवसरों का विस्तार।

मकरः भाग्य का सहयोग। अटके कार्यों में गति। प्रतियोगी परीक्षाओं और करियर में सफलता के संकेत। मतलब साफ है मेष राशि के जातकों के लिए यह वर्ष आत्मविश्वास और करियर स्थिरता का संदेश लाता है। कन्या राशि वालों के लिए नई योजनाएं और संवाद के अवसर खुलेंगे, विशेषकर शिक्षा, लेखन और मीडिया से जुड़े लोगों के लिए। मकर राशि के लिए भाग्य का साथ मिलेगा, अटके कार्य आगे बढ़ सकते हैं और परिश्रम का फल मिलने की संभावना है।

आस्था से आगे की सोच

भारतीय परंपरा में पूजा कर्मकांड नहीं, बल्कि अनुशासन है। शिवाभिषेक हो या दान, इनका उद्देश्य मन को संयमित करना है। गंगाजल से अभिषेक शुद्ध विचारों का प्रतीक है, दूध से अभिषेक मानसिक शांति का, और पीले वस्त्रों का दान ज्ञान व उदारता का। महामृत्युंजय मंत्रः भय से मुक्ति.

काशी से महानगरों तक, नववर्ष का उत्सव

भारत में नववर्ष सिर्फ पार्टी नहीं, परंपरा और प्रतीक्षा का पर्व है। काशी में गंगा की लहरें आरती से आलोकित होती हैं, प्रयाग में संगम पर आस्था सिर झुकाती है, तो शहरों में घड़ी के 12 बजते ही आसमान रंगीन हो उठता है। यह भारत है, जहां आधुनिकता और आस्था एक-दूसरे से टकराती नहीं, बल्कि संवाद करती हैं। यही भारत की विशेषता है, जहां परंपरा बोझ नहीं, पहचान है।

भारत 2026ः अवसर और चुनौतियां

भारत विश्वगुरु बनने की राह पर है, लेकिन यह रास्ता आसान नहीं। 2026 में, तकनीक तेज होगी, एआई जीवन का हिस्सा बनेगा, स्टार्टअप मजबूत होंगे, अंतरिक्ष और चिकित्सा में नए अध्याय खुलेंगे, लेकिन साथ ही, बेरोजगारी, आर्थिक असमानता, प्रदूषण, डीपफेक जैसी चुनौतियां भी हमारे सामने होंगी। मतलब साफ है नया साल देश के लिए भी नई परीक्षा लेकर आएगा। तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, स्टार्टअप और अंतरिक्ष के क्षेत्र में संभावनाएं हैं, लेकिन बेरोजगारी, असमानता और पर्यावरण जैसी चुनौतियां भी कम नहीं। यह वर्ष केवल उत्सव का नहीं, जिम्मेदारी का भी है।

नजर नहीं, निगाह चाहिए

नजर देखती है, निगाह समझती है। 2025 यादों में जाएगा, खुशी-गम, सफलता-असफलता के साथ। 2026 निगाह मांगता है, दीर्घ दृष्टि, धैर्य और जिम्मेदारी। डर, पछतावा और दोषारोपण छोड़कर आगे बढ़ने का समय है। व्यक्तिगत जीवन में भी और सामाजिक स्तर पर भी।

नववर्ष का संकल्प

नए साल का संकल्प केवल अपने लिए नहीं होना चाहिए। समाज, देश और आने वाली पीढ़ियों के लिए सोचना ही सच्ची प्रगति है। समान अवसर, सुरक्षित समाज और जिम्मेदार नागरिक, यही 2026 की सबसे बड़ी कामना हो सकती है. नया साल मुबारक - नए विचारों, नए साहस और नए भारत की उम्मीद के साथ। नया साल हमें यह सिखाता है, डर से नहीं, निर्णय से चलो, पछतावे से नहीं, प्रयत्न से सीखा, दोषारोपण नहीं, आत्ममंथन करो. मतलब साफ है नए साल के संकल्प सिर्फ बड़े लक्ष्य तय करने के लिए नहीं होते, बल्कि रोजमर्रा की आदतों में छोटे लेकिन सकारात्मक बदलाव लाने का जरिया भी होते हैं. सही संकल्प न केवल हमारी सेहत, करियर और रिश्तों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि हमें मानसिक शांति और आत्मसंतोष भी देते हैं. इसलिए नए साल में रोज थोड़ा समय एक्सरसाइज, योग या वॉक के लिए निकालें. संतुलित आहार लें और पर्याप्त नींद लें, ताकि शरीर और मन दोनों स्वस्थ रहें. ऐसा हर रोज करने से आप अपने आप को एक नई दिशा की ओर लेके जाएंगे. कभी भी जरूरत से ज्यादा स्क्रीन टाइम तनाव बढ़ाता है. दिन में कुछ घंटे मोबाइल से दूरी बनाकर खुद और अपनों के लिए समय निकालें. इस दौरान आप किताबों को अपना दोस्त बना सकते हैं. कितनबे पढ़ने से आपके अंदर चीजों को जानने की इच्छा भी बढ़ेगी. हर महीने थोड़ी-थोड़ी बचत करें और बेवजह के खर्चों से बचें. भविष्य को सुरक्षित बनाने के लिए निवेश की आदत डालें. ऐसा करने से जब आपको किसी एमर्जेंसी के वक्त पैसों की जरूरत पड़ेगी तो आपको किसी के भरोसे नहीं रहना होगा. इस भागदौड़ भरी जिंदगी में खुद को समय देना बेहद जरूरी है. मेडिटेशन, किताब पढ़ना या कोई हॉबी अपनाकर मानसिक शांति पाएं. इस दौरान आप कुछ नहीं भी कर के खुद को समय देंगे और इसके बाद आपको खुद में सुकून मिलेगा. नए साल में नकारात्मकता छोड़ें और सकारात्मक सोच अपनाएं. परिवार और दोस्तों के साथ क्वालिटी टाइम बिताकर रिश्तों को और मजबूत करें. इसके साथ ही ऐसे लोगों को अपने जीवन से बिलकुल बाहर कर दीजिए जिनको आपसे सिर्फ काम के लिए दोस्ती रखनी होती है.

तिरुवनंतपुरम में सत्ता परिवर्तन 45 साल का वाम राज खत्म भाजपा के हाथ नगर निगम

-संजय सक्सेना

केरल की राजधानी तिरुवनंतपुरम में नगर निगम चुनाव के नतीजों ने राज्य की राजनीति में बड़ा संदेश दे दिया है। 45 वर्षों से जिस नगर निगम पर वाम दलों का दबदबा रहा, वहां पहली बार भारतीय जनता पार्टी ने सत्ता पर कब्जा कर लिया है। बीजेपी के वरिष्ठ नेता और कोडुंगनूर वार्ड से पार्षद वीवी राजेश का मेयर चुना जाना केवल एक पद की जीत नहीं, बल्कि उस राजनीतिक बदलाव का संकेत है, जिसकी चर्चा लंबे समय तक केरल की राजनीति में होती रहेगी। नगर निगम के मेयर चुनाव में वीवी राजेश को 51 वोट मिले, जबकि एलडीएफ उम्मीदवार को 29 और कांग्रेस नीत यूडीएफ के प्रत्याशी को 17 वोटों से संतोष करना पड़ा। तिरुवनंतपुरम नगर निगम के 101 वार्डों में हुए चुनाव में भाजपा ने 50 सीटें जीतकर सभी को चौंका दिया। यह आंकड़ा इसलिए भी अहम है क्योंकि इससे पहले भाजपा कभी इस निगम में सबसे बड़ी पार्टी नहीं बन पाई थी। कांग्रेस नीत यूडीएफ ने भी पिछली बार की तुलना में सीटें बढ़ाईं, लेकिन सत्ता की कुर्सी उससे दूर ही रही। वहीं, वाम दलों के लिए यह नतीजा सबसे बड़ा झटका साबित हुआ, क्योंकि चार दशकों से अधिक समय तक नगर निगम उनकी राजनीतिक ताकत का प्रतीक रहा है।

मेयर चुने जाने के बाद वीवी राजेश ने इसे ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने कहा कि तिरुवनंतपुरम में आया यह बदलाव पूरे केरल की राजनीति की दिशा बदलने की क्षमता रखता है। राजेश ने भरोसा दिलाया कि उनका कामकाज ह्यसबका साथ, सबका विकासह्न की भावना पर आधारित होगा और निगम के सभी 101 वार्डों में समान रूप से विकास योजनाएं लागू की जाएंगी। उनका कहना है कि शहर को देश के विकसित और आधुनिक शहरों की सूची में शामिल करना उनका मुख्य लक्ष्य रहेगा। भाजपा ने मेयर पद के साथ उपमेयर पद के लिए भी अपना चेहरा तय किया है। पार्टी ने आशा नाथ को उपमेयर पद का उम्मीदवार बनाया है। उम्मीदवारों के नामों की घोषणा से पहले प्रदेश और जिला स्तर पर लंबी चर्चा हुई। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, सेवानिवृत्त डीजीपी आर श्रीलेखा के नाम पर भी मेयर पद के लिए विचार हुआ था, लेकिन संगठन के एक वर्ग के विरोध के चलते सहमति नहीं बन पाई। अंततः संगठनात्मक अनुभव और पार्षदों के समर्थन को देखते हुए वीवी राजेश को आगे किया गया।

इस जीत को भाजपा नेतृत्व जनता की नाराजगी और बदलाव की चाह से जोड़कर देख रहा है। पार्टी नेताओं का कहना है कि पिछले कई वर्षों में नगर निगम बुनियादी सुविधाएं देने में नाकाम रहा। नालों की सफाई, पेयजल आपूर्ति, कचरा प्रबंधन और सड़कों की हालत जैसे मुद्दे लगातार जनता के बीच चर्चा में रहे। चुनाव प्रचार के दौरान भाजपा ने इन्हीं मुद्दों को प्रमुखता से उठाया और आरोप लगाया कि निगम भ्रष्टाचार का अड्डा बन गया था। इसका असर वोटिंग पैटर्न पर साफ दिखा। केंद्रीय मंत्री और तिरुवनंतपुरम से सांसद सुरेश गोपी ने इस जीत को शहर के लोगों के लिए ऐतिहासिक पल बताया। उन्होंने कहा कि अब नगर निगम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुसार विकास कार्य होंगे। सुरेश गोपी ने भरोसा दिलाया कि केंद्र सरकार की योजनाओं का पूरा लाभ तिरुवनंतपुरम को मिलेगा और नए मेयर को राज्य और केंद्र दोनों स्तरों पर पूरा सहयोग दिया जाएगा। शुरूआती योजनाओं में सड़कों की सुरक्षा, यातायात व्यवस्था में सुधार और नागरिक सुविधाओं को मजबूत करने के प्रोजेक्ट शामिल बताए गए हैं।

केरल भाजपा अध्यक्ष राजीव चंद्रशेखर ने भी इस नतीजे को बड़ा बदलाव करार दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि सीपीएम ने कांग्रेस की अंदरूनी मदद से वर्षों तक नगर निगम को अपने नियंत्रण में रखा और विकास के नाम पर बहुत कम काम हुआ। उनका कहना है कि 45 साल में भी पानी, कचरा और जल निकासी जैसी बुनियादी समस्याएं हल नहीं हो पाईं। अब जब जनता ने भाजपा को मौका दिया है, तो काम आज से ही शुरू होगा और लक्ष्य तिरुवनंतपुरम को देश के शीर्ष तीन शहरों में शामिल करना है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि राजधानी में भाजपा की यह जीत आने वाले स्थानीय निकाय और विधानसभा चुनावों से पहले पार्टी के लिए मनोबल बढ़ाने वाली है। केरल की राजनीति लंबे समय से वाम दलों और कांग्रेस गठबंधन के बीच सिमटी रही है। ऐसे में तिरुवनंतपुरम जैसे अहम शहर में भाजपा की जीत नए राजनीतिक समीकरणों की ओर इशारा करती है। यह भी माना जा रहा है कि इस नतीजे का असर सिर्फ राजधानी तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे राज्य में भाजपा के संगठन को मजबूती मिलेगी।

नगर निगम के भीतर अब नई जिम्मेदारियां और चुनौतियां भी होंगी। शहर की आबादी तेजी से बढ़ रही है और उसके साथ ही बुनियादी ढांचे पर दबाव भी बढ़ा है। नए मेयर के सामने साफ-सफाई, ट्रैफिक जाम, जलभराव और कचरा निस्तारण जैसी समस्याओं से निपटना बड़ी चुनौती होगी। वीवी राजेश ने संकेत दिए हैं कि इन मुद्दों पर प्राथमिकता के आधार पर काम किया जाएगा और पारदर्शिता पर जोर रहेगा। कुल मिलाकर, तिरुवनंतपुरम नगर निगम में भाजपा की सत्ता में एंट्री और वीवी राजेश का मेयर बनना केरल की राजनीति में एक बड़ा मोड़ है। यह सिर्फ एक चुनावी जीत नहीं, बल्कि उस बदलाव की शुरूआत मानी जा रही है, जिसकी आहट अब राज्य की राजनीति में साफ सुनाई देने लगी है। आने वाले समय में यह देखना दिलचस्प होगा कि भाजपा इस ऐतिहासिक मौके को विकास और सुशासन में कैसे बदलती है।

भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका प्रांगण में सादगी से मनाई गयी अटल बिहारी वाजपेयी जयंती

भिवंडी(उत्तरशक्ति)। भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री एवं भारत रत्न स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की जयंती श्रद्धा और सम्मान के साथ मनाई गई। महाराष्ट्र शासन सामान्य प्रशासन विभाग के दिनांक 18.02.2025 के परिपत्र के अनुसार तथा भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के माननीय प्रशासक तथा आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निदेर्शानुसार यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। दिनांक 25 दिसंबर 2025 को महानगरपालिका मुख्यालय के भूतल पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजेश पवार के शुभहस्ते स्व. अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई। इस अवसर पर उपस्थित अधिकारियों ने अटल बिहारी वाजपेयी के राष्ट्र निर्माण में दिए गए योगदान को याद किया। कार्यक्रम में चुनाव विभाग प्रमुख अजित महाडिक, भांडारगृह विभाग प्रमुख मुजीम मस्तीम सहित महानगरपालिका के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित थे। सभी ने दो मिनट का मौन रखकर महान नेता को श्रद्धांजलि अर्पित किया। कार्यक्रम शांत, अनुशासित और गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ।

मढ़ आइलैंड के एरंगल गांव में मैंग्रोव क्षेत्र में अवैध डंपिंग, भूमि भराव का प्रशासन ने किया स्थल निरीक्षण

मुंबई (उत्तरशक्ति)। मालाड पश्चिम स्थित मढ़ आइलैंड के एरंगल गांव में मैजिक वर्ल्ड स्टूडियो के पीछे मास्टरवाड़ी इलाके में सीआरजेड-1 क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली मैंग्रोव भूमि और वेटलैंड में अवैध डंपिंग व निजी लाभ के लिए भूमि भराव का गंभीर मामला सामने आया है। इस अवैध गतिविधि के कारण मैंग्रोव क्षेत्र को भारी नुकसान पहुंचा है जिससे पर्यावरण संतुलन पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। मामले की गंभीरता को देखते हुए वन विभाग के मैंग्रोव सेल के अधिकारी एवं एरंगल गांव के तलाठी द्वारा संयुक्त रूप से स्थल निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अवैध रूप से डाले गए मलबे और मिट्टी के कारण नष्ट हुए मैंग्रोव क्षेत्र को स्पष्ट रूप से देखा गया। अधिकारियों ने मौके की स्थिति का पंचनामा कर आगे की कार्रवाई की प्रक्रिया शुरू की है। इस संबंध में जागृत पर्यावरण समिति के अध्यक्ष अमजद खान ने प्रशासन से कड़ी मांग की है कि इस अवैध कृत्य में शामिल दोषियों के खिलाफ तत्काल एफआईआर दर्ज की जाए और अवैध डंपिंग को तुरंत प्रभाव से रोका जाए और नष्ट किए गए मैंग्रोव क्षेत्र का वैज्ञानिक पद्धति से पुनर्स्थापन किया जाए। उन्होंने यह भी कहा कि बाम्बे हाई कोर्ट द्वारा मैंग्रोव संरक्षण को लेकर दिए गए आदेशों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ अवमानना की कार्रवाई की जानी चाहिए। यह घटना एक बार फिर इस सवाल को जन्म देती है कि मैंग्रोव संरक्षण से जुड़े कानूनों और न्यायालय के निर्देशों को जमीनी स्तर पर कितनी गंभीरता से लागू किया जा रहा है। पर्यावरणविदों का मानना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो मालाड और आसपास के क्षेत्रों में बचे हुए मैंग्रोव भी गंभीर खतरे में पड़ सकते हैं जिसका असर न केवल जैव विविधता बल्कि तटीय सुरक्षा पर भी पड़ेगा।

दादर में रामकथा संपन्न

मुंबई। श्री हरि: भक्ति सत्संग समिति के तत्वावधान में दादर के नंदनवन प्रांगण में राम-कथा श्रद्धा एवं भक्ति के वातावरण में सम्पन्न हुई। कथा के अंतिम दिन कथावाचक पं.संजय मिश्र ने राम भक्त केवट के चरित्र पर बोलते हुए , शबरी मैया की नवधा भक्ति की व्याख्या करते हुए श्रीराम के अनन्य भक्त श्रीहनुमान जी की स्वामी-भक्ति का भावपूर्ण रूप से गुणगान किया। कथावाचक ने कहा कि इस कलियुग में राम भक्ति के अतिरिक्त दूसरा सत्य नही है शेष सब माया है कथा श्रवण हेतु दादर प्रभादेवी एवं दूर दराज क्षेत्रों से बडी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन उपस्थित रहते थे संगीतज्ञ रमेशपान्डेय व अवधेश पान्डेय ने भजन कीर्तन से सबका मन मुग्ध कर दिया। प्रबन्धकों द्वारा हवन यज्ञ का आयोजन किया गया था जिसमें शामिल मुख्य यजमान सपत्नीक सुशील मिश्र, अध्यक्ष मायाशंकर मिश्र-गीता मिश्र, सपत्नीक सुशील दूबे, चिन्तामणि दूबे, संतोष शुक्ल, सपत्नीक सुधीर मिश्र, सपत्नीक अनिल मिश्र एवं क्षेत्र से बडी संख्या में महिला पुरुष शामिल हुए, हवन यज्ञ का कार्य पंडित शेखधर तिवारी (हरिजं) ने सम्पन्न कराया। कथा के प्रथम दिन विशेष रुप से उपस्थित विठ्ठल रखुमाई मंदिर पंढरपुर से प्रवचनकार महराज श्रीभरत नारायण वाजे सपत्नीक तुलसी पुष्पगुच्छ से बडी माला प्रसाद व शाल से कथावाचक एवं समिति के अध्यक्ष का सत्कार किया अध्यक्ष मायाशंकर मिश्र ने भी महराज श्रीभरत नारायण वाजे का नारियल पुष्पगुच्छ व शाल भेंटकर स्वागत किया श्री संतोष शुक्ल व उनकी माताजी ने कथावाचक, संगीतज्ञ व पंडितजी को वस्त्र, दक्षिणा, श्रीफल व पुष्पगुच्छ देकर सम्मानित किया,सत्संग समिति के अध्यक्ष मायाशंकरमिश्र ने कथावाचक पं.संजयमिश्र,संगीतज्ञ रमेशपान्डेय व अवधेशपान्डेय तथा विठ्ठल-रखुमाईमंदिरके पुजारी शिवाजी को वस्त्र दक्षिणा पुष्पगुच्छ नारियल देकर विदाई सत्कार किया, ।अंतिम दिन कथा में शामिल माहीम विधान सभा के विधायक महेश सावंत, राजन भोसले उपाध्यक्ष म.प्र.का.क. नीतिन राउत मुंबई भाजपा सचिव व सिद्धिविनायक मंदिर के ट्रस्टी व उनके साथ आए कार्य कर्ता सुरेश दूबे, एकनाथ संगम अशोक शर्मा उपस्थित थे।

एकनाथ शिंदे के नेतृत्व पर भरोसा, शिवसेना में शामिल हुए मनसे के वरिष्ठ नेता

मनसे का इंजन छोड़ शिवसेना का धनुष-बाण थामा प्रकाश महाजन ने

चेतन निर्मल संवाददाता
कल्याण (उत्तरशक्ति)। शिवसेना प्रमुख नेता और महाराष्ट्र के उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना लगातार मजबूत होती जा रही है। एकनाथ शिंदे के नेतृत्व पर विश्वास जताते हुए महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के वरिष्ठ नेता प्रकाश महाजन ने आज शिवसेना में प्रवेश किया। शिवसेना में शामिल होने के बाद प्रकाश महाजन ने कहा कि हिंदुत्व की विचारधारा पर काम करने की इच्छा के चलते उन्होंने आज शिवसेना में प्रवेश किया है। उन्होंने उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व की खुलकर सराहना की। प्रकाश महाजन ने कहा कि महाराष्ट्र में अब तक कई मुख्यमंत्री हुए, जो किसी भी परीक्षा में शामिल हुए नहीं और बिना परीक्षा के ही पहले नंबर पर आ गए, लेकिन एकनाथ शिंदे इस मामले में अलग हैं उन्होंने परीक्षा भी दी और पहले नंबर पर आए। इन्हीं शब्दों में महाजन ने शिंदे के मुख्यमंत्री पद के कार्यकाल की तारीफ की।

महाजन ने कहा कि मुख्यमंत्री वैद्यकीय सहायता निधि से इलाज पाकर स्वस्थ हुए मरीजों ने एकनाथ शिंदे को धन्यवाद पत्र भेजे हैं। इन पत्रों का वजन करीब १०० किलो है। ऐसा दृश्य आज तक महाराष्ट्र ने किसी भी मुख्यमंत्री के कार्यकाल में नहीं देखा।

खास बात यह है कि शिंदे ने कभी इसका प्रचार नहीं किया, यही उनका बड़प्पन है। उन्होंने यह भी कहा कि एकनाथ शिंदे के ढाई साल के मुख्यमंत्री कार्यकाल की तारीफ वरिष्ठ नेता शरद पवार ने भी की है। शिवसेना के प्रमुख होने के बावजूद शिंदे खुद को केवल एक नेता मानते हैं, यह भी उनके व्यक्तित्व की खासियत है।

इस अवसर पर प्रकाश महाजन ने कहा कि एकनाथ शिंदे ही आज के समय में एकमात्र ऐसे नेता हैं जो सच्चे अर्थों में हिंदुत्व की विचारधारा को आगे बढ़ा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए अपने ढाई साल के कार्यकाल में एकनाथ शिंदे ने महाराष्ट्र के विकास के लिए कई अहम फैसले लिए, जिससे राज्य को विकास की नई गति मिली।

वहीं, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने प्रकाश महाजन का शिवसेना में स्वागत करते हुए कहा कि उनके पार्टी में आने से शिवसेना को और अधिक मजबूती मिलेगी।

उनके अनुभव का लाभ संगठन को मिलेगा। महायुति को लेकर पूछे गए सवालों पर एकनाथ शिंदे ने स्पष्ट किया कि गठबंधन को लेकर सभी चचाएं पूरी हो चुकी हैं और शिवसेना महायुति के साथ मिलकर ही महानगरपालिका चुनाव लड़ेगी।

श्री स्वामी अयप्पा मंदिर में 44 वां महापूजा कार्यक्रम संपन्न

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी शहर के पद्मानगर वराल देवी चौक स्थित श्री स्वामी अयप्पा मंदिर में 44वीं वार्षिक महापूजा का भव्य आयोजन किया गया। बतादें कि हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी गुरुस्वामी सुरेश महाराज के मार्गदर्शन में सुबह से ही मंदिर में गणेश पूजा, दीपाराधना अर्चना पूजा, श्री सत्यनारायण पूजा तथा भजन जैसे धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए जिसमें हजारों श्रद्धालु भक्त दर्शन कर महाप्रसाद का लाभ उठाया। कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए श्री स्वामी अयप्पा मंदिर समिति के अध्यक्ष संतोष शेट्टी के नेतृत्व में समिति के सभी सदस्यों ने विशेष परिश्रम किया।

मीरा भायंदर में भक्ति का सागर, शिव पुराण की कथा ने नगर को शिवमाया बना दिया है

◆उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की उपस्थिति, सनातन संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का जागरण

तारकेश्वर पांडे
मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा भायंदर की पवित्र भूमि पर इस समय आस्था का एक अभूतपूर्व संगम देखने को मिल रहा है। यह अवसर विश्वप्रसिद्ध कथाकार और भगवत भूषण पंडित प्रदीपजी मिश्रा की मधुर आवाज में बहते 'शिव महापुराण' की कथा का है। आज कथा का तीसरा दिन है और पूरा शहर भक्ति के इस सागर में सराबोर है। 'हर हर महादेव' के जयकारे से न केवल पूरा क्षेत्र बल्कि प्रत्येक भक्त का हृदय शिव से भर गया है। इस उत्सव का लाभ उठाते हुए महाराष्ट्र राज्य के उपमुख्यमंत्री माननीय श्री एकनाथ शिंदे ने आज कथा स्थल का दौरा किया। इस अवसर पर वे मंच पर गए और पंडित प्रदीपजी मिश्रा से आशीर्वाद प्राप्त किया तथा उपस्थित लाखों भक्तों के विनम्र अभिवादन को स्वीकार किया।

भक्ति, शक्ति और संस्कार का त्रिवेणी संगम 24 दिसंबर को शुरू हुआ यह ज्ञान यज्ञ 28 दिसंबर तक चलेगा। यह मात्र एक धार्मिक आयोजन नहीं है, बल्कि समाज को दिशा देने, मूल्यों को स्थापित करने और आध्यात्मिक चेतना को जागृत करने वाला एक उज्ज्वल अध्याय बन गया है। सनातन परंपरा की महिमा बढ़ाने वाले इस धार्मिक आयोजन के कारण मीरा-भयंदर में आस्था और सद्भावना की एक नई धारा प्रवाहित होने लगी है।इस अवसर पर श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, आज के इस तेज गति वाले युग में सनातन धर्म सभाओं का आयोजन समय और समाज की आवश्यकता है। मुझे यह देखकर प्रसन्नता हुई कि पंडित प्रदीप मिश्रा जी की अमृतवाणी के माध्यम से भगवान शिव के पुराण बहुत ही सरल भाषा में जनमानस तक पहुंच रहे हैं। इतनी विशाल भीड़ के लिए आयोजकों की अनुशासित योजना की मैं तहे दिल से सराहना करता हूं ।

गायों की सेवा और कर्तव्य की भावना हिंदू धर्म की रक्षा और गाय के प्रति सम्मान के बारे में बोलते हुए, उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने कहा, महाराष्ट्र देश को दिशा देने वाला राज्य है।

हम देश का पहला राज्य हैं जिसने गाय को राज्य माता का दर्जा दिया है। आदरणीय मंत्री प्रताप सरनाईक द्वारा धाराशिव में बाढ़ प्रभावित किसानों को 101 गायें वितरित करके स्थापित किया गया गोदान का उदाहरण सराहनीय है। प्रत्येक सनातन धर्मीय के लिए इस प्रकार की सेवा करना हमारा कर्तव्य है। इस उत्सव में लाखों श्रद्धालु भाग ले रहे हैं, जो 28 दिसंबर तक चलेगा, और इस उत्सव के माध्यम से शहर में एक अलग ही आध्यात्मिक ऊर्जा का प्रसार हुआ है।

भिवंडी निजामपुर शहर महानगर पालिका के स्वीप कक्ष द्वारा मतदान जनजागृति कार्यक्रम का आयोजन

आचार्य सूरजपाल यादव
भिवंडी (उत्तरशक्ति)। भिवंडी मनपा सार्वत्रिक चुनाव 2025-2026 के अंतर्गत मतदाताओं में जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से स्वीप (रशएएढ) कक्ष के माध्यम से मतदान जनजागृति कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उक्त कार्यक्रम मनपा स्कूल क्रमांक 44 टेमघर में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन मनपा आयुक्त अनमोल सागर, अतिरिक्त आयुक्त नयना ससाणे तथा स्वीप कक्ष के नोडल अधिकारी श्रीकांत परदेशी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर सहायक नोडल अधिकारी कल्पना तलपाड़े और राहुल नाडेकर , भिवंडी मनपा के स्कूल क्रमांक 44 टेमघर की मुख्याध्यापिका प्राजक्ता प्रदीप परब, सहशिक्षक प्रमोद सूर्यवंशी तथा अन्य स्कूलों के सहकारी शिक्षक सत्यनारायण गोलापेल्ली, सुनील बोंबेरे, राजेंद्र सालवे और संजय गोदके ने सक्रिय सहभाग लिया। कार्यक्रम के अंतर्गत स्कूल के छात्र/छात्राओं द्वारा टेमघर गांव में जनजागृति रैली निकाली गई। रैली के दौरान 15 जनवरी 2026 को मतदान के लिए जरूर आएं जैसे नारों के माध्यम से नागरिकों से अधिक से अधिक संख्या में मतदान करने की अपील की गई। इस रैली के माध्यम से नागरिकों में मतदान के महत्व को लेकर जागरूकता फैलाने का प्रयास किया गया।

पूनम संत महिला एवं विकास समिति द्वारा आयोजित नमो सम्मान यात्रा सम्पन्न

भायंदर (उत्तरशक्ति)। पूनम संत महिला एवं विकास समिति द्वारा आयोजित नमो सम्मान यात्रा आज मीरा भायंदर क्षेत्र में शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। यह यात्रा शांतिनगर हाई स्कूल से प्रारंभ होकर अय्यप्पा मंदिर होते हुए मेजर कौस्तुभ राणे स्मारक (मीरा रोड स्टेशन) तक निकाली गई।

इस रैली का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं विशेषकर महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं के प्रति जनजागरूकता फैलाना रहा।

रैली में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। कई महिलाएं सनातनी वेशभूषा में शामिल हुईं, वहीं डॉक्टर, आर्मी, एयरफोर्स एवं पुलिस यूनिफॉर्म थीम में महिलाओं की उपस्थिति ने रैली को विशेष पहचान दी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिरूप विकास महंते प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रतिरूप रंजीत राधा कृष्ण मूर्ति तथा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन जी के प्रतिरूप शिवमणि त्रिपाठी की उपस्थिति भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही।

समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम संत ने सभी सहभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि नमो सम्मान यात्रा महिलाओं की भागीदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी जागरूकता को दशार्ती है। समिति की प्रदेश अध्यक्ष (महाराष्ट्र) चन्द्रावती त्रिपाठी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से महिला सम्मान और सामाजिक सहभागिता को बल मिलता है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव किशोर भट्ट तथा प्रदेश महासचिव मेहुल लेहरू तथा प्रदेश सचिव अनुराग जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर महिलाओं के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी। आयोजन संपूर्ण रूप से शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रहा।

भव्य कलश शोभायात्रा के साथ संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का शुभारंभ

आजाद नगर में श्रद्धा और भक्ति के साथ निकली नगर परिक्रमा

पालघर(उत्तरशक्ति)। जिले के बोईसर शहर पश्चिम स्थित धर्मनगरी आजाद नगर में धार्मिक उल्लास और भक्तिमय वातावरण के बीच षष्ठम दिवसीय संगीतमयी श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ का भव्य शुभारंभ बुधवार 24 दिसंबर को कलश शोभायात्रा के साथ हुआ। यह आयोजन श्री हरि दिव्य भागवतम् सेवा संस्था के तत्वावधान में सैनी होटल के सामने बने कथा स्थल पंडाल में संपन्न हो रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ श्री बड़ी दुर्गा महारानी जी माता मंदिर से हुआ, जहां श्रीधाम वृंदावन से पधारीं कथा व्यास परम श्रद्धेया कत्यायनी दीदीजी के पावन सानिध्य में मंदिर के पुरोहित व यज्ञाचार्य पं. राघवेंद्र महाराज द्वारा विधिवत पूजन-अर्चन किया गया। मुख्य यजमान एवं सह भ्राता धर्मेन्द्र मौर्या तथा श्री स्नेहमयी माता की उपस्थिति में धार्मिक अनुष्ठान संपन्न हुआ। इसके पश्चात धर्म जागरण के उद्देश्य से महिलाओं द्वारा सिर पर कलश धारण कर, माथे पर पोथी रखकर निकाली गई भव्य कलश शोभायात्रा ने नगर परिक्रमा की। शोभायात्रा में जयकारों और भजन-कीर्तन से संपूर्ण क्षेत्र भक्तिमय हो उठा। पुलिस प्रशासन की यातायात व्यवस्था के बीच शोभायात्रा शांतिपूर्वक यज्ञ पंडाल तक पहुंचकर संपन्न हुई। कथा व्यास श्रद्धेया कत्यायनी दीदीजी द्वारा 24 दिसंबर से 30 दिसंबर, मंगलवार तक प्रतिदिन सायं 7.00 बजे से 10.00 बजे तक श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ के माध्यम से विभिन्न प्रसंगों पर प्रकाश डालते हुए मानव जीवन को धर्म, भक्ति और सदाचार के मार्ग पर चलने की प्रेरणा दी जायेगी। कथा महायज्ञ का समापन 31 दिसंबर को दोपहर बाद महाप्रसाद के साथ होगा। कलश शोभायात्रा में विहिप बोईसर प्रखंड प्रमुख एस.पी. सिंह, धर्म नगरी आजाद नगर के जितेंद्र दुबे, तुलसीराम केवट, सामाजिक कार्यकर्ता जिलेदार वर्मा, निमोर्ही यादव, रमेशचंद्र दुबे, शिवलाल गुप्ता, सुभाष दुबे, देविदत्त पोखरिया, विकास शुक्ला सहित अनेक प्रमुख नागरिकों एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सहभागिता की। इस अवसर पर स्वयंसेवी संगठन बोईसरचा एकदंत द्वारा शोभायात्रा मार्ग पर जगह-जगह शीतल जल की व्यवस्था कर श्रद्धालुओं का स्वागत किया गया, जिसकी उपस्थितजनों ने सराहना की। कलश शोभायात्रा और श्रीमद्भागवत कथा के शुभारंभ से आजाद नगर सहित पूरे बोईसर क्षेत्र में भक्ति, आस्था और सांस्कृतिक चेतना का विशेष वातावरण देखने को मिल रहा है।

जिले के दुर्गम आदिवासी उपपाड़ों को मिलेगा सड़क संपर्क

पालघर(उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के दुर्गम और आदिवासी इलाकों में बसे पाड़ों व उपपाड़ों को मुख्य गांवों से जोड़ने का वर्षों पुराना सपना अब साकार होने जा रहा है। जिले के ऐसे 54 अनकनेक्टेड (संपर्कहीन) रास्तों को विभिन्न योजनाओं के तहत मंजूरी मिल गई है, जिससे आदिवासी क्षेत्रों में सालभर आवागमन संभव हो सकेगा।

ज्ञात हो कि पालघर जिले में कुल 79 ऐसे रास्ते चिन्हित किए गए थे, जो पाड़ों और उपपाड़ों को बारहमासी सड़कों से नहीं जोड़ पा रहे थे। इनमें से 25 सड़कों का काम पहले ही पूरा कर लिया गया है, जबकि शेष 54 सड़कों को अब अलग-अलग योजनाओं के माध्यम से जोड़ने का निर्णय लिया गया है। इन 54 सड़कों में से 45 सड़कों का निर्माण विकसित भारत जी राम जी (मनरेगा) के अंतर्गत प्रस्तावित है। वहीं, 3 सड़कें जव्हार सार्वजनिक बांधकाम विभाग के माध्यम से प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना, 4 सड़कें जिला परिषद निर्माण विभाग और 2 सड़कें अन्य माध्यमों से बनाई जायेंगी। इससे जिले के कई दूरस्थ उपपाड़े सीधे मुख्य गांवों और प्रमुख मार्गों से जुड़ेंगे।

तहसील स्तरीय स्थिति पर नजर डालें तो

डहाणू तहसील में 13 में से 11 सड़कों के काम शुरू, विक्रमगढ़ तहसील में 9 में से 8 कार्य, मोखाडा तहसील में 8 में से 7 कार्य, जव्हार तहसील में 17 में से 15 कार्य, वाडा तहसील में 3 में से 2 कार्य, वसई तहसील में 4 में से 2 कार्य शुरू हैं। मनरेगा अंतर्गत प्रस्तावित 45 सड़कों में से 20 पर काम शुरू हो चुका है, जबकि शेष 25 सड़कों के लिए वन विभाग और निजी भूमि से संबंधित मंजूरी की प्रक्रिया तहसील स्तर पर जारी है। इन पर भी जल्द काम शुरू होने की उम्मीद है।

इन सभी सड़कों का खडीकरण मनरेगा योजना से किया जाएगा, जबकि डामरीकरण का कार्य आदिवासी उपयोजना निधि से होगा। प्रस्तावित सड़कों में 4 सड़कें वन्यजीव अभयारण्य क्षेत्र से, 13 वन भूमि से और 13 निजी जमीनों से होकर गुजरेंगी। निजी जमीनों के मामलों में आवश्यक प्रस्ताव प्रस्तुत कर मंजूरी की प्रक्रिया जारी है। इन महत्वपूर्ण परियोजनाओं को गति देने के लिए जिला प्रशासन और जिला परिषद स्तर पर लगातार प्रयास किए गए। विभिन्न विभागों के बीच समन्वय, तकनीकी अड़चनों का समाधान और आवश्यक स्वीकृतियों के चलते अब ये सभी प्रस्ताव अमल में आ सके हैं।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय :
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

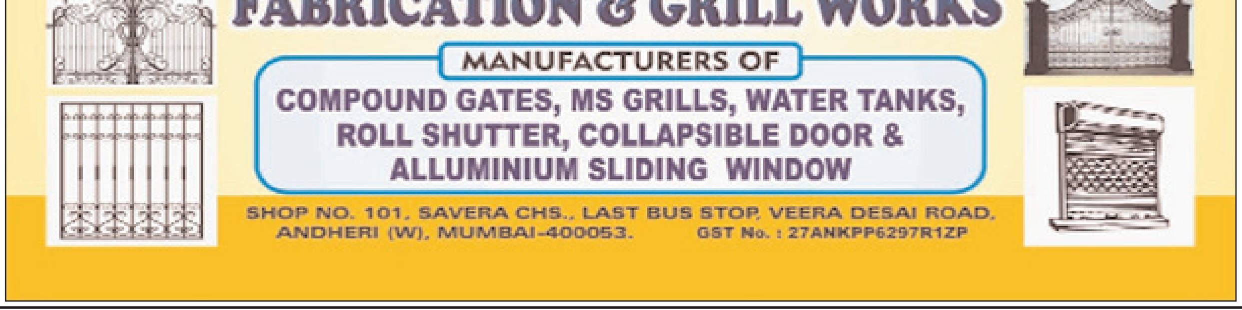

स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * **संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति,** समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, **मो.-** 9554493941 **email ID- uttarshaktinews@gmail.com**

सोनभद्र में मौत बनकर दौड़ी ट्रैक्टर-ट्रॉली, बाइक सवार 3 दोस्तों की मौत

पल्सर पर सवार थे चार दोस्त, पलक झपकते ही बिछ गई लाशें

सोनभद्र (उत्तरशक्ति)। गुरुवार की शाम रॉबर्ट्सगंज कोतवाली क्षेत्र में रफ़्तार और लापरवाही ने तीन घरों के चिराग बुझा दिए। मरकरी पुलिया के पास हुए एक भीषण सड़क हादसे में ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराकर तीन युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक अन्य युवक जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रहा है।

मिली जानकारी के अनुसार, शाम करीब 6 बजे एक ही पल्सर बाइक (यूपी63 बीके0561) पर सवार होकर चार युवक नई बाजार से रॉबर्ट्सगंज की ओर जा रहे थे। प्रत्यक्षदर्शियों की मानें तो बाइक की रफ़्तार काफी तेज थी। जैसे ही वे अक्षओर पेट्रोल पंप के पास पहुंचे, उनकी बाइक आगे जा रही ट्रैक्टर-ट्रॉली में पीछे से अनियंत्रित होकर घुस गई. टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए और चारों युवक लहूलुहान होकर सड़क पर गिर पड़े।

मिर्जापुर के रहने वाले थे मृतक, परिजनों में मचा कोहराम: हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई। पुलिस ने तत्काल एम्बुलेंस बुलाकर सभी को मेडिकल कॉलेज भिजवाया, जहाँ डॉक्टरों ने तीन को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की पहचानःमनीष शर्मा (20 वर्ष) निवासी राजगढ़, मिर्जापुर, रवि शर्मा (20 वर्ष) निवासी राजगढ़, मिर्जापुर, शुभम शर्मा (21 वर्ष) निवासी राजगढ़, मिर्जापुर के निवासी बताए जा रहे हैं ये तीनों आपस में रिश्तेदार बताए जा रहे हैं। वहीं 19 वर्षीय अविनाश शर्मा की हालत नाजुक देखते हुए उसे ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया गया है। जैसे ही परिजनों को हादसे की खबर मिली, अस्पताल परिसर चीख-पुकार से गूंज उठा। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर घायलों को तुरंत अस्पताल पहुंचाया। क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा ने बताया कि शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और ट्रैक्टर-ट्रॉली व घटना की जांच कर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

देवदूत हेल्पिंग हैंड्स सोसायटी ने 500 जरूरतमंदों को बांटे गरम वस्त्र

खेतासराय,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कड़ाके की ठंड से राहत दिलाने के उद्देश्य से देवदूत हेल्पिंग हैंड्स सोसायटी की ओर से गरम वस्त्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम सेन्ट तुलसी ग्लोबल स्कूल, आमगांव परिसर में आयोजित हुआ, जहां करीब 500 असहाय, निर्धन, बुजुर्ग एवं दिव्यांग लोगों को ठंड से बचाव के लिए गरम कपड़े वितरित किए गए।

कार्यक्रम के दौरान संस्था के संस्थापक सदस्य व प्रबंधक दुर्गेश सिंह ने कहा कि शीत ऋतु में निर्धन और बेसहारा लोगों के लिए ठंड एक बड़ी चुनौती बन जाती है। ऐसे में समाजसेवी संस्थाओं का दायित्व है कि वे आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता करें। गरम वस्त्र वितरण से उन्हें कुछ राहत मिलती है और मानवीय संवेदना भी प्रकट होती है। संस्था की संस्थापक सदस्य नेहा सिंह ने बताया कि

देवदूत हेल्पिंग हैंड्स सोसायटी का उद्देश्य केवल सहायता करना नहीं, बल्कि समाज में सेवा, करुणा और सहयोग की भावना को मजबूत करना है। भविष्य में शिक्षा, स्वास्थ्य और जरूरतमंदों की सहायता से जुड़े कार्यक्रम निरंतर आयोजित किए जाएंगे।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य विनोद कुमार यादव ने संस्था के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस प्रकार के आयोजन समाज के कमजोर वर्गों के लिए संबल बनते हैं और युवाओं को समाजसेवा के लिए प्रेरित करते हैं। गरम वस्त्र पाकर जरूरतमंदों के चेहरों पर संतोष और राहत साफ दिखाई दी।

इस मौके पर अभिषेक अस्थाना, मनोज, संदीप बिंद, अंजू बिंद, अभिषेक, ऋषिकांत, रविकांत पटवा, दीपक, दानिश हुसैन, अभिषेक मिश्रा, उमाशंकर, कमलेश, विकास, रामराज, रामबाबु ठाकुरा सहित अन्य लोग शामिल रहे।

मातृ शक्ति के बिना भारत का समग्र विकास अधूरा

▸ समाज में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को किया सम्मानित
▸ विद्या भारतीय द्वारा सप्त शक्ति संगम कार्यक्रम का हुआ आयोजन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरस्वती विद्या मन्दिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बारी नाथ में विद्या भारतीय द्वारा सप्त शक्ति संगम द्वारा मातृ शक्ति वन्दन, नारी की गरिमा व शक्ति, ज्ञान की ज्योति और संस्कृति व संस्कारों की पवित्र धारा विषय पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें शिक्षा, कला, पत्रकारिता व सामाजिक क्षेत्र में सक्रिय पांच महिलाओं को उत्कृष्ट कार्य के लिए अंगवस्त्रम व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि डॉ. सीमा सिंह (परामर्शदाता, जिला महिला चिकित्सालय, जौनपुर), उर्वशी सिंह (अधिवक्ता, अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट), डॉ. वंदना सरकार (प्रधानाध्यापक) व डॉ. ज्योति सिंह द्वारा वाग्ग देवी माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय की छात्राओं ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत किया। छात्राओं ने रानी लक्ष्मी, रानी अहिल्याबाई आदि विभूतियों का रूप धर नारी शक्ति पर प्रखर विचार प्रस्तुत किये। जिस पर उन्हें खूब वाहवाही मिली। बतौर मुख्य अतिथि डॉ. सीमा सिंह ने भारत के विकास में मातृशक्ति के योगदान विषय पर कहा कि भारत का विकास की नींव मातृ शक्ति के अद्वितीय योगदान पर टिकी है। नारी केवल परिवार की आधारशिला ही नहीं, बल्कि समाज, संस्कृति, अर्थव्यवस्था और राष्ट्र निर्माण की

सशक्त प्रेरक भी रही है। डॉ. उर्वशी सिंह ने कहा मातृ शक्ति के बिना भारत का समग्र विकास अधूरा है। जब नारी सशक्त होती है, तब समाज समृद्ध होता है और राष्ट्र प्रगति की नई ऊँचाइयों को छूता है। इसलिए मातृ शक्ति का सम्मान, सशक्तिकरण और समान अवसर ही विकसित भारत की कुंजी है। विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों में योगदान को लेकर मातृ शक्तियां प्रीति गुप्ता, वंदना यादव, साधना खरवार, पुष्पांजलि साहू व पत्रकारिता क्षेत्र में रजनी सोनी को सम्मानित किया गया। मंचासिन संकुल प्रमुख कल्पना सिंह ने समाज में महिलाओं की भूमिका पर अपने विचार रखे, कार्यक्रम का कुशल संचालन आचार्या वंदना अस्थाना ने किया। विद्यालय के प्राधानाचार्या गणेश दत्त उपाध्याय ने कार्यक्रम में आये हुये सम्मानित अतिथियों का स्वागत एवं आभार प्रकट किया। इस अवसर पर कार्यक्रम का संचालन साधना दूबे, अरूसी मौर्या ने किया। धन्यवाद ज्ञापित आरती प्रजापति, सोनी निषाद, अंजली मौर्या, शालिनी श्रीवास्तव, रचना सोनकर इत्यादि।

वीर बाल दिवस पर साहिबजादों के बलिदान को नमन

मुख्यमंत्री योगी के कीर्तन समागम का जौनपुर में हुआ सजीव प्रसारण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बाल दिवस के अवसर पर मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश योगी आदित्यनाथ द्वारा मुख्यमंत्री आवास से आयोजित भव्य कीर्तन समागम में जनपद जौनपुर से सहभागिता की गई। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने सिख धर्म के चारों साहिबजादों बाबा अजीत सिंह, बाबा जुझार सिंह, बाबा जोरावर सिंह एवं बाबा फतेह सिंह के अद्वितीय त्याग और बलिदान को नमन करते हुए उन्हें भारत की सनातन एवं सिख परंपरा की गौरवशाली विरासत बताया।

मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज देश ही नहीं, बल्कि पूरी दुनिया वीर साहिबजादों के साहस, त्याग और बलिदान को स्मरण कर रही है। उनका जीवन राष्ट्र, धर्म और मानवता की रक्षा के लिए प्रेरणास्रोत है।

मुख्यमंत्री के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया, जिसे जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र, मुख्य राजस्व अधिकारी अजय अम्बष्ट की उपस्थिति में अधिकारियों, कर्मचारियों एवं बच्चों द्वारा देखा और सुना गया। इस दौरान सरदार नवनीत सिंह, सतवंत सिंह, गुरमीत सिंह, रंजीत सिंह, सतनाम सिंह, जिऊपाल सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ

पटेल, जिला प्रोबेशन अधिकारी विजय पाण्डेय, जिला सूचना अधिकारी मनोकामना राय सहित अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चन्द्र ने कहा कि आज का दिन राष्ट्र के लिए अत्यंत संवेदनशील और प्रेरणादायी है। आज ही के दिन गुरु गोविंद सिंह के चारों साहिबजादों ने धर्म और राष्ट्र की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति दी थी। उनका बलिदान आने वाली पीढ़ियों को सदैव प्रेरित करता रहेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री एवं मुख्यमंत्री के नेतृत्व में वीर बाल दिवस को शहीद दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। यह दिवस हमें यह संदेश देता है कि धर्म के मार्ग पर चलते हुए राष्ट्रसेवा करने से हमारे कार्य अमर हो जाते हैं। इमें इन वीर बालकों से प्रेरणा लेकर राष्ट्रहित में कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए।

वीर बाल दिवस के अवसर पर प्रोबेशन विभाग द्वारा जनपद के विभिन्न विद्यालयों में स्लोगन, पोस्टर सहित अन्य प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विजेता बच्चों को जिलाधिकारी द्वारा उपहार एवं सम्मान प्रदान किया गया।

इस अवसर पर बाल संरक्षण अधिकारी चंदन राय, मुरलीधर गिरि, प्रतिभा सिंह, नीता वर्मा, बबीता, एनसीसी कैडेट्स सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

खुटहन में जनसेवा केंद्र संचालक की हत्या

खुटहन,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। खुटहन थाना क्षेत्र के पनौली चौराहे पर स्थित जनसेवा केंद्र व फिनो बैंक के संचालक फूलचंद उर्फ सेवाराम पासवान (पुत्र चंद्र भूषण) की संदिग्ध परिस्थितियों में हत्या कर दी गई। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और कानून-व्यवस्था को लेकर गंभीर सवाल खड़े हो गए हैं। प्रारंभिक सूचना में गोली लगने की बात सामने आई थी, हालांकि पुलिस की शुरुआती पुष्टि के अनुसार सिर में गंभीर चोट को मौत का कारण बताया जा रहा है। वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो सकेगी। बता दें कि घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस अधीक्षक डॉ. कौस्तुभ, सीओ शाहगंज अजीत प्रताप सिंह और खुटहन थाना अध्यक्ष पहुंचकर मामले की जांच पड़ताल में जुट गए। और मौके पर फॉरेंसिक पहुंचकर घटनास्थल की जांच और साक्ष्य एकत्र करने में जुट गई। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है, पुरानी रंजिश, लूट या अन्य आपराधिक कारणों से इनकार नहीं किया जा सकता। आसपास के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जा रहे हैं और संदिग्धों से पूछताछ की जा रही है। इस वारदात के बाद स्थानीय व्यापारियों और नागरिकों में भय का माहौल है। लोगों ने क्षेत्र में गश्त बढ़ाने और जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की है।

बरगुदरपुल के नीचे रेत पर फेंका मिला नवजात बालिका का शव

मौके पर पहुंचे फारेंसिक टीम ने की जांच

सिकरारा,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नए बरगुदर पुल के नीचे सई नदी के रेत पर शुक्रवार को एक नवजात बालिका का फेंका हुआ शव मिलने से सनसनी फैल गई। मौके पर पहुंचे मोबाइल फोरेंसिक टीम ने जांच किया। अनुमान लगाया जा रहा है कि पुल के ऊपर से बच्ची को फेका गया है या दाह दिया गया है। पुलिस शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेज दिया। थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि उक्त बालिका ऊलेन कपड़ा पहनी थी। मौके पर पहुंचे उप निरीक्षक विनोद सिंह ने बताया कि बच्ची के पैर में सफेद, लाल व नीला रंग का पायजामा उसके ऊपर काला रंग की ऊनी पायजामा पहनाया गया था। जबकि ऊपर कटन की टीशर्ट, उसके ऊपर टोपी सहित ऊलेन रंग बिरंगी स्वेटर पहनाया गया है। सूचना पर मौके पर पहुंचे मोबाइल फोरेंसिक टीम ने भी जांच किया। चचाओं की माने तो बच्ची का शव दाह दिया गया था। वहीं कुछ लोगों की जुबान पर यह भी चर्चा सुनाई पड़ा कि मृत बच्ची को नए बरगुदर पुल से यह समझकर फेंका गया है उसका शव पानी में गिरे। लेकिन कोहरे के कारण बच्ची को शव रेत में ही गिर पड़ा।

ट्रिपल मर्डर के मामले में सैदपुर कोतवाल निलंबित, गहमर प्रभारी लाइन हाजिर

गाजीपुर (उत्तरशक्ति)। गहमर में बुधवार की रात हुए ट्रिपल मर्डर के मामले में पुलिस अधीक्षक डा. ईरज राजा ने सैदपुर कोतवाल शैलेश मिश्रा को निलंबित कर दिया है। साथ ही गहमर कोतवाल दीनदयाल पांडेय को लाइन हाजिर किया गया है। यह कार्रवाई उस समय की गई जब विवाद के बीच हत्या करने की घटना हुई। उस समय गहमर प्रभारी निरीक्षक शैलेश मिश्रा थे, जिन्होंने उचित कार्रवाई नहीं की, जिसके परिणामस्वरूप यह गंभीर घटना घटित हुई। मुहम्मदाबाद कोतवाल प्रमोद मिश्रा को गहमर का प्रभारी निरीक्षक नियुक्त किया गया है, जबकि विवेचना सेल में तैनात वीरेंद्र प्रताप को सैदपुर कोतवाल बनाया गया है। ज्ञातव्य है कि घटना स्थल का डीआईजी वाराणसी वैभव कृष्ण ने निरीक्षण किया था और गाजीपुर पुलिस अधीक्षक को तत्कालीन एसओ गहमर और वर्तमान गहमर एसओ के उपर कार्रवाई करने के आदेश दिये थे।

सखरज यादव का 104 वर्ष की उम्र में हुआ निधन

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। केराकत विकास खण्ड क्षेत्र के ग्राम सरायबीरू निवासी प्रतिष्ठित नागरिक सखरज यादव का गुरूवार सुबह 5 बजे उनके निवास स्थान पर 104 वर्ष की उम्र में निधन हो गया। वे अपने पीछे भरा पूरा परिवार छोड़ गये हैं। उनका अन्तिम संस्कार स्थानीय गोमती नदी तट स्थित पक्का पूल के समीप शव दाह स्थल पर किया गया। मुखाग्नि उनके ज्येष्ठ पुत्र राजदेव यादव ने दी। उक्त मौके पर पूर्व क्षेत्र पंचायत सदस्य साहब लाल यादव, रामधुन यादव, कामता यादव पूर्व प्रधान, जिला पंचायत सदस्य पति प्रतिनिधि पप्पू सरोज, कामता यादव, ललित यादव, राममूरत यादव, वीरेन्द्र यादव पूर्व प्रधान, सुभाष यादव फौजी, शिवसहाय यादव, सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

व्यापार मंडल ने मनाया 52वाँ स्थापना दिवस

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। उद्योग व्यापार मंडल ने उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल जो दिसंबर 1973 वाराणसी में माँ गंगा के पावन तट से प्रारंभ हुआ था जिसको आज 52 वर्ष सफलतापूर्वक संपूर्ण होने पर जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन की अध्यक्षता में गल्ला मंडी स्थित जिला कैंप कार्यालय पर व्यापारी संवाद के साथ स्टेशनरीज के व्यापारियों में मिष्ठान वितरण करते हुए खुशी व्यक्त किया जिलाध्यक्ष दिनेश टंडन ने कहा कि 52 वर्षों से व्यापार मंडल ने व्यापारियों की आवाज बनने का काम किया तथा व्यापारी हित की प्रत्येक लड़ाई में व्यापार मंडल और व्यापार मंडल के पदाधिकारी अग्रिम पंक्ति में खड़े रहे, पंडित श्याम बिहारी मिश्रा जी और लाला विशेश्वर दयाल अग्रवाल जी के नेतृत्व में व्यापारियों के सर्वोच्च संगठन की स्थापना हुई थी।

उपस्थित व्यापारियों का स्वागत करते हुए जौनपुर नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल ने बताया कि हमारा व्यापार मंडल उस समय से व्यापारियों की लड़ाई लड़ रहा है जिस समय व्यापारियों की कहीं भी सुनवाई नहीं होती थी और कोई भी संगठन व्यापार मंडल का पूरे प्रदेश में नहीं था श्रद्धेय स्व.श्याम बिहारी मिश्रा जी एवं श्रद्धेय लाला विशेश्वर दयाल अग्रवाल जी के नेतृत्व में 52 वर्ष पूर्व

उत्तर प्रदेश में प्रथम बार व्यापारियों का कोई संगठन बना जो आज उत्तर प्रदेश के साथ पूरे भारत में व्यापारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तत्पर रहता है। प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी ने बताया कि आज पूरे प्रदेश में स्थापना दिवस के इस पावन अवसर पर खुशियां मनाई जा रही है प्रदेश के प्रत्येक जिले में तथा प्रमुख बाजारों में व्यापारियों ने मिष्ठान वितरण कर तथा अनाथालय में भोजन वितरण एवं अस्पतालों में फल वितरण कर प्रदेश के व्यापारी अपनी खुशियां व्यक्त कर रहे हैं कार्यक्रम में जिला संरक्षक अशोक बैंकर प्रदेश युवा कोषाध्यक्ष संतोष अग्रहरि, वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय केडिया, नगर महामंत्री मुन्नालाल अग्रहरि एवं मनोज कुमार साहू, युवा जिला अध्यक्ष संतोष अग्रहरि फामेसी, शाहिद मंसूरी, अनिल वर्मा, चेतन टंडन, यशवन्त साहू, हफिज शाह, डी.के. अग्रहरि, रामकुमार साहू, हसन अब्बास, राकेश जायसवाल, संतोष साहू, घनश्याम गुप्ता, रितेश साहू, विजय गुप्ता, ओमप्रकाश साहू आदि व्यापारी उपस्थित रहे संचालन नगर उपाध्यक्ष हफीज शाह ने किया उपस्थित व्यापारियों का आभार नगर कोषाध्यक्ष अनिल वर्मा ने व्यक्त किया।

शाहगंज में सेंट थॉमस इंटर कॉलेज चर्च व ईसाई बस्तियों में हर्षोल्लास के मनाया गया क्रिसमस का त्यौहार

प्रभु यीशु के जन्मोत्सव पर प्रार्थना, कैरोल गीत और सजावट से जगमगा उठा शाहगंज

शाहगंज,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर के सेंट थॉमस इंटर कॉलेज

स्थित चर्च सहित आसपास के ईसाई घरों में क्रिसमस का पर्व धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया गया। प्रभु यीशु मसीह के जन्मोत्सव पर चर्च में विशेष प्रार्थना सभा आयोजित की गई, जहां शांति, प्रेम और भाईचारे का संदेश दिया गया।

प्रातः काल से ही चर्च परिसर को आकर्षक रोशनी, क्रिसमस ट्री, सितारों और रंग-बिरंगी झालरों से सजाया गया था। श्रद्धालुओं ने मोमबत्तियां जलाकर प्रभु यीशु के जीवन आदर्शों को आत्मसात करने का संकल्प लिया। कैरोल गीतों की मधुर धुनों से वातावरण भक्तिमय बना रहा।

इस अवसर पर बच्चों ने सांता क्लॉज की वेशभूषा में कार्यक्रम प्रस्तुत किए। चर्च प्रबंधन फादर एंटोनी सामी की ओर से आगंतुकों के लिए, केक, मिठाइयां आदि वितरित किए गए। चर्च में बना प्रभु यशु की झांकी ने उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। चर्च के साथ-साथ ईसाई समुदाय के घरों में भी उत्सव का उल्लास देखने को मिला। परिवारों ने एक-दूसरे को क्रिसमस की शुभकामनाएं दीं, केक काटे गए और पारंपरिक व्यंजनों के साथ खुशियां साझा की गईं। आयोजन के दौरान सुरक्षा और व्यवस्था को लेकर भी विशेष ध्यान रखा गया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। फादर एंटोनी सामी ने क्रिसमस के संदेश प्रेम, सेवा और सद्भाव को जीवन में अपने की अपील की।

श्रद्धा, सेवा और समरसता का प्रतीक बना पहलवान बाबा का वार्षिक श्रृंगार

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरायबीरु चौराहे पर स्थित पहलवान बाबा धाम पर आयोजित वार्षिक श्रृंगार एवं महाभण्डारा न केवल धार्मिक आस्था का केंद्र रहा, बल्कि यह आयोजन सामाजिक एकता और सेवा भावना का भी सशक्त संदेश देता नजर आया। गुरुवार की शाम जैसे ही बाबा का भव्य श्रृंगार हुआ, पूरे क्षेत्र में भक्ति और उल्लास का वातावरण छा गया। दूर-दराज से आए श्रद्धालुओं की भारी भीड़ ने यह सिद्ध कर दिया कि पहलवान बाबा के प्रति लोगों की आस्था वर्षों से निरंतर बढ़ती जा रही है। भजन-कीर्तन, आरती और जयकारों के बीच बाबा का अलौकिक श्रृंगार भक्तों के आकर्षण का केंद्र रहा। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे पूर्व क्षेत्रीय विधायक दिनेश चौधरी ने बाबा की विधिवत पूजा-अर्चना कर क्षेत्र की खुशहाली, व्यापारिक उन्नति और आम जन की रोजी-रोटी में बरकत की कामना की। उन्होंने कहा कि ऐसे धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने और सकारात्मक ऊर्जा प्रदान करने का कार्य करते हैं। महाभण्डारे में जाति, वर्ग और धर्म से ऊपर उठकर सभी श्रद्धालुओं ने एक साथ प्रसाद ग्रहण किया। सरायबीर चौराहे से लेकर मंडी क्षेत्र तक के दुकानदारों की सहभागिता ने आयोजन को और भव्य बना दिया। यह आयोजन सामाजिक सौहार्द और सहयोग का जीवंत उदाहरण बना। इस अवसर पर अजय सोनकर शास्त्री, सर्वेश दीक्षित, प्रदीप सोनकर, हैप्पू सोनकर, शुभम मौर्या, सुधीर शर्मा सहित अनेक गणमान्य लोग व स्थानीय व्यापारी मौजूद रहे। आयोजन समिति एवं स्थानीय नागरिकों के सामूहिक प्रयास से कार्यक्रम पूरी तरह सफल और अनुशासित रहा।

न्यू देहली पब्लिक स्कूल में विंटर कार्निवल का हुआ भव्य आयोजन

विशाल सोनी

शाहगंज, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। इमरानगंज स्थित न्यू देहली पब्लिक स्कूल में विंटर कार्निवल का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय के सचिव मिर्जा अनवर बेग एवं प्रबंधक कहकशां खान द्वारा संयुक्त रूप से फीता काटकर किया गया। उद्घाटन के बाद विद्यालय परिसर में उत्सव जैसा माहौल देखने को मिला।

कार्निवल के अंतर्गत आयोजित विज्ञान प्रदर्शनी में छात्र-छात्राओं ने अपने रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रदर्शनी में रोबोट, प्रदूषण नियंत्रण सहित कई आकर्षक मॉडल प्रस्तुत किए गए, जिन्हें देखकर अभिभावक और आगंतुक काफी प्रभावित हुए। विद्यार्थियों

विज्ञान प्रदर्शनी, फूड व गेम्स स्टॉल रहे आकर्षण का केंद्र

द्वारा वैज्ञानिक सोच को सरल ढंग से प्रस्तुत करने की सराहना की गई।

कार्यक्रम में लगाए गए फूड स्टॉल बच्चों और अभिभावकों के लिए विशेष आकर्षण रहे। पानी पूरी, सैंडविच और गाजर के हलवे का बच्चों ने खूब आनंद लिया। वहीं विभिन्न प्रकार के स्वादिष्ट व्यंजनों ने कार्निवल के रौनक को और बढ़ा दिया।

गेम्स स्टॉल पर बच्चों में खास उत्साह देखने को मिला। बॉल गेम, गिलास गेम्स सहित अन्य मनोरंजक खेलों में बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। खेलों के दौरान बच्चों की खुशी और उत्साह देखते ही बन रहा था।

इस अवसर पर विद्यालय के प्रधानाचार्य ने विद्यार्थियों की प्रशंसा करते हुए समस्त अभिभावकों के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रवीण, अशोक, नीता, वैशाली, संज्ञा, मंजू, शिवानी एवं अभि का विशेष योगदान रहा।

फर्स्ट ऑफिसर विशाल पाटिल राष्ट्रीय छात्र सेना पुरस्कार

मुंबई। स्वामी विवेकानंद हाई स्कूल, नेहरू नगर, कुर्ला के प्रथम अधिकारी विशाल पाटिल को राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी) के माध्यम से एकता, अनुशासन, देश सेवा और नेतृत्व गुणों को बढ़ावा देने के उनके निरंतर और उल्लेखनीय कार्य के लिए आदर्श एनसीसी अधिकारी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान महाराष्ट्र राज्य के एसोसिएट एनसीसी अधिकारी कल्याण बोर्ड द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में प्रदान किया गया। ब्रिगेडियर शिरीष ढोबले, कैप्टन मनोज भामरे, स्कूल प्रिंसिपल सुमन सिंह, एसोसिएशन अध्यक्ष प्रमोद जगताप और उपाध्यक्ष विदुला साठे द्वारा प्रदान किया गया। एनसीसी के माध्यम से आदर्श नागरिक, परोपकारी कार्यकर्ता और भविष्य के सैनिकों के निर्माण में प्रथम अधिकार विशाल पाटिल के योगदान को विशेष मान्यता दी गई। विशाल पाटिल ने एन. सी. सी में सर्वाधिक कैंप करने के साथ साथ उल्लेखनीय कार्य करने के कारण कमांडेंट साहब द्वारा उत्कृष्ट अधिकारी के सम्मान मिला है। इस पुरस्कार के बाद विशाल पाटिल जी का नाम राष्ट्रीय स्तर के लिए भी भेजा जाएगा। उपस्थित लोगों ने कहा कि यह सम्मान वी.वी.एम मॉडल स्कूल के साथ-साथ सभी वर्तमान और पूर्व एनसीसी कैडेटों के लिए गर्व का विषय है। स्कूल के प्रधानाचार्य, सभी शिक्षण और गैर-शिक्षण स्टाफ, अभिभावकों और एनसीसी कैडेटों ने प्रथम अधिकारी विशाल पाटिल को इस पुरस्कार के लिए बधाई दी है।

पंकज का ऑलराउंड धमाका, गर्दे एकादश ने लालजी एकादश को चार विकेट से किया पस्त

-सुरेश गांधी

वाराणसी। 38वीं कनिष्कदेव गोरावाला स्मृति मीडिया क्रिकेट प्रतियोगिता में गुरुवार को क्रिकेट प्रेमियों को एक रोमांचक मुकाबला देखने को मिला, जिसमें पंकज चौबे के बहुमुखी प्रदर्शन के दम पर गर्दे एकादश ने लालजी एकादश को चार विकेट से पराजित कर शानदार जीत दर्ज की। गेंद और बल्ले से संतुलित योगदान देने वाले पंकज चौबे को उनके हरफनमौला खेल के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी लालजी एकादश की शुरूआत संभली हुई रही, लेकिन मध्यक्रम अपेक्षित तेजी नहीं पकड़ सका। 20 ओवरों में टीम 6 विकेट खोकर 114 रन ही बना सकी। चंद्रप्रकाश ने एक छोर संभालते हुए नाबाद 30 रन की उपयोगी पारी खेली। अजीत (20) और देवेश (14) ने भी जिम्मेदारी निभाई, लेकिन बड़ा स्कोर खड़ा करने में टीम नाकाम रही। गर्दे एकादश की ओर से गेंदबाजी में संतुलन देखने को मिला। अभिषेक मिश्रा, संतोष सिंह, रबीश श्रीवास्तव, पंकज चौबे और आशीष शुक्ला ने एक-एक विकेट झटककर लालजी एकादश की रनगति पर लगाम कसी। लक्ष्य का पीछा करने उतरी गर्दे एकादश ने संयम और समझदारी से बल्लेबाजी की। पारी की कमान पंकज चौबे ने संभाली और 46 गेंदों पर चार चौकों की मदद से 36 रन बनाकर जीत की नींव रखी। वरुण ने 14 रन जोड़कर सहयोग किया, जबकि अभिषेक मिश्रा 12 रन बनाकर नाबाद रहे। इस मुकाबले में अतिरिक्त भी गर्दे एकादश के लिए बड़ा हथियार साबित हुआ, जिसने 38 रन का योगदान देकर लालजी एकादश की मुश्किलें बढ़ा दीं। अंततः गर्दे एकादश ने 16.5 ओवरों में 6 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया। मैच से पूर्व मुख्य अतिथि समाजसेवी अवधेश पाठक ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर उनका उत्साहवर्धन किया। मुकाबले में अंपायरिंग की जिम्मेदारी मनोहर और कृष्णा ने निभाई। प्रतियोगिता में रोमांच का सिलसिला जारी रहेगा। शुक्रवार को पूर्वाह्न 10:30 बजे यहां पराड़कर एकादश और ईश्वरदेव मिश्र एकादश के बीच मुकाबला खेला जाएगा, जिस पर क्रिकेट प्रेमियों की नजरें टिकी रहेंगी।

जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने मानव संसाधन विभाग में नेतृत्व को किया मजबूत

मुंबई। एक लचीले और भविष्य के लिए तैयार संगठन के निर्माण के अपने निरंतर प्रयास के तहत, भारत के प्रमुख विविध समूहों में से एक, जेएसडब्ल्यू ग्रुप ने अपने मानव संसाधन (एचआर) विभाग की नेतृत्व टीम को और मजबूत किया है। ग्रुप ने संदीप बत्रा को स्टील और कॉर्पोरेट का अध्यक्ष और मुख्य मानव संसाधन अधिकारी (सीएचआरओ) नियुक्त किया है। संदीप जेएसडब्ल्यू स्टील और कॉर्पोरेट कार्यों के लिए कर्मचारियों, टैलेंट और संस्कृति के एजेंडे का नेतृत्व करेंगे। उनका मुख्य ध्यान संगठनात्मक प्रभावशीलता, नेतृत्व क्षमता, प्रतिभा प्रबंधन और भविष्य के लिए तैयार संगठन बनाने पर होगा। संदीप के पास आईटी, कंज्यूमर, टेलीकॉम, रिटेल, इंफ्रास्ट्रक्चर और एविएशन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में प्रतिभा प्रबंधन, संगठन डिजाइन और उत्पादकता बढ़ाने का तीन दशकों से अधिक का अनुभव है। जेएसडब्ल्यू ग्रुप से जुड़ने से पहले, उन्होंने अदानी एयरपोर्ट होल्डिंग्स लिमिटेड में मुख्य कार्मिक अधिकारी (सीपीओ) के रूप में कार्य किया। उनकी पिछली भूमिकाओं में लैंडमार्क ग्रुप और वोडाफोन इंडिया में नेतृत्व के पद शामिल हैं। उन्होंने भारतीय सेना में एक कमीशन अधिकारी के रूप में भी अपनी सेवाएं दी हैं। जेएसडब्ल्यू ने शिल्पी लाल शर्मा को ग्रुप हेड टैलेंट, लर्निंग एंड डेवलपमेंट और डीईआई (विविधता, समानता और समावेश) के रूप में भी नियुक्त किया है। वह सभी व्यवसायों में ग्रुप के लर्निंग आर्किटेक्चर, नेतृत्व विकास, उत्तराधिकार योजना, संगठनात्मक विकास और समावेश एजेंडे को चलाने के लिए जिम्मेदार होंगी। वह सीएचआरओ संदीप बत्रा को रिपोर्ट करेंगी। शिल्पी के पास टैलेंट मैनेजमेंट, लर्निंग और डेवलपमेंट में 20 से अधिक वर्षों का अनुभव है, जिसमें 15 साल से अधिक का समय वरिष्ठ नेतृत्व भूमिकाओं में बीता है। वह वेल्सपन ग्रुप से जेएसडब्ल्यू ग्रुप में शामिल हुई हैं, जहां उन्होंने टैलेंट, लर्निंग और ओडी फंक्शन का नेतृत्व किया था। उनकी पिछली भूमिकाओं में नेशनल स्टॉक एक्सचेंज इंडिया, अल्ट्राटेक सीमेंट और एडलवाइस एसेट मैनेजमेंट में नेतृत्व के पद शामिल रहे हैं। पार्थ जिंदल ने कहा, जैसे-जैसे जेएसडब्ल्यू ग्रुप अपने व्यवसायों का विस्तार कर रहा है, नेतृत्व और जन क्षमताओं को मजबूत करना हमारी रणनीतिक प्राथमिकता बनी हुई है।

हत्या कर फरार आरोपी को तुलिंज पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। गत 16 दिसंबर 2025 को, लगभग रात 8:00 बजे, दुर्गा माता मंदिर, संतोष भवन, नालासोपारा पूर्व, तहसील वसई, जिला पालघर में, एक अज्ञात आरोपी ने मृतक साहिल शेख की पीठ में चाकू से वार किया और घायल कर दिया, गवाह अहमद रजा को जान से मारने की धमकी दी और उसे चाकू से पीटा। शिकायतकर्ता श्रीमती फातिमा मोहम्मद शमशे आलम मंसूरी, उम्र 40 वर्ष, पेशे से गृहिणी, निवासी एकता नगर, दुर्गा माता मंदिर के ऊपर, संतोष भवन, नालासोपारा पूर्व, तहसील वसई, जिला पालघर की शिकायत पर, तुलिंज पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता की धारा 103(1), 109, 115, 118(1), 352, 351(1), 3(5) के तहत मामला दर्ज किया गया। उक्त अपराध की गंभीरता को देखते हुए, माननीय वरिष्ठ न्यायालय ने अपराध में अज्ञात आरोपियों की पहचान और खोज का आदेश दिया था। जांच के दौरान, घटनास्थल का निरीक्षण करने और अपराध की गहन जांच के बाद, उरण पुलिस की सहायता से उरण, नवी मुंबई से जाल बिछाया गया और आरोपियों को हिरासत में लिया गया। उनके नाम अरशद आबेद अली, उम्र 21 वर्ष, निवासी मुस्तफा कंपाउंड, हवाई पाड़ा, संतोष भवन, तालुका वसई जिला पालघर और कानूनी विवाद में फंसा एक बच्चा था। इससे आगे की पूछताछ करने पर पता चला कि उन्होंने उक्त अपराध किया था। उक्त आरोपियों में से आरोपी संख्या 1 को 18.12.2025 को गिरफ्तार किया गया। इसी प्रकार, कानूनी विवाद में फंसे बच्चे को माननीय किशोर न्यायालय, भिवंडी के आदेशानुसार भिवंडी के बाल गृह में रखा गया है। उपरोक्त कार्य मा, श्रीमती पूर्णिमा चौगुले श्रृंगी, पुलिस उपायुक्त, सर्किल 2 वसई, मा, उमेश माने पाटिल, सहायक पुलिस आयुक्त, तुलिंज डिवीजन, विजय जाधव, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, तुलिंज पुलिस स्टेशन, बालासाहेब बंकर, पुलिस निरीक्षक (प्रशासन), आनंद पेंडनेकर, पुलिस निरीक्षक (अपराध), अपराध पहचान शाखा के सहायक पुलिस निरीक्षक सुनील पवार, पोहवा 12031 अशपक जमादार, पांडुरंग केंद्रे, दिगंबर परजाने, श्रीधर कांबले, इस्माइल शाह चपारीबन, राहुल कदम, पुलिस अनमलदार 23266 प्रकाश दावणे, ज्योतिराम झांजे और तुलिंज पुलिस स्टेशन पोहवा 12013 अमर गायकवाड़, पुलिस अनमलदार 16039 आकाश मोरे के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है।

वडाला स्थित एनकेईएस कॉलेज में वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव 2025-26 संपन्न

मुंबई। मुंबई विश्वविद्यालय से संबद्ध एनकेईएस कॉलेज ऑफ आर्ट्स, कॉमर्स एंड साइंस, वडाला में शैक्षणिक वर्ष 2025-26 का वार्षिक क्रीड़ा महोत्सव दिनांक 23 एवं 24 दिसंबर 2025 को कॉलेज के खेल मैदान में बड़े उत्साह के साथ आयोजित किया गया। प्रातः 8.00 बजे से सायं 5.00 बजे तक दो दिनों तक चले इस महोत्सव में विद्यार्थियों ने खेल कौशल, अनुशासन और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

यह क्रीड़ा महोत्सव महाविद्यालय की प्राचार्या नेहा तिवारी के मार्गदर्शन में तथा एनकेई सोसायटी के सक्षम प्रबंधन नेतृत्व में आयोजित किया गया। इस अवसर पर संस्था के माननीय पदाधिकारी पार्थसारथी नाईक (अध्यक्ष), शशिकांत जोशी (सचिव), पद्मजा बनवासी (सचिव) एवं अनंत बनवासी (प्रबंधन सदस्य), भवानी भार्गव (कोषाध्यक्ष) की गरिमामयी उपस्थिति रही। उनके प्रेरणादायक मार्गदर्शन और सहयोग से क्रीड़ा महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। इस क्रीड़ा महोत्सव में बीएएफ, बीएमएस, बीकॉम एवं बीएएमएमसी पाठ्यक्रमों के प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यार्थियों में अनुशासन, प्रतिस्पर्धात्मक भावना और खेल भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी। विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेलों के महत्व को ध्यान में रखते हुए विभिन्न इनडोर एवं आउटडोर प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया।

पूनम संत महिला एवं विकास समिति द्वारा आयोजित नमो सम्मान यात्रा सम्पन्न

भायंदर। पूनम संत महिला एवं विकास समिति द्वारा आयोजित नमो सम्मान यात्रा आज मीरा भायंदर क्षेत्र में शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुई। यह यात्रा शांतिनगर हाई स्कूल से प्रारंभ होकर अय्यप्पा मंदिर होते हुए मेजर कौस्तुभ राणे स्मारक (मीरा रोड स्टेशन) तक निकाली गई। इस रैली का उद्देश्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं विशेषकर महिला सशक्तिकरण से जुड़ी योजनाओं के प्रति जनजागरूकता फैलाना रहा। रैली में महिलाओं की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। कई महिलाएं सनातनी वेशभूषा में शामिल हुईं, वहीं डॉक्टर, आर्मी, एयरफोर्स एवं पुलिस यूनिफॉर्म थीम में महिलाओं की उपस्थिति ने रैली को विशेष पहचान दी। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रतिरूप विकास महंते प्रमुख अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके साथ ही उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के प्रतिरूप रंजीत राधा कृष्ण मूर्ति तथा रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रतिरूप शिवमणि त्रिपाठी की उपस्थिति भी लोगों के आकर्षण का केंद्र रही।

समिति की राष्ट्रीय अध्यक्ष पूनम संत ने सभी सहभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि नमो सम्मान यात्रा महिलाओं की भागीदारी और राष्ट्र निर्माण के प्रति उनकी जागरूकता को दर्शाती है। समिति की प्रदेश अध्यक्ष (महाराष्ट्र) चन्द्रवाती त्रिपाठी ने कहा कि इस तरह के आयोजनों से महिला सम्मान और सामाजिक सहभागिता को बल मिलता है। इस अवसर पर प्रदेश महासचिव किशोर भट्ट तथा प्रदेश महासचिव मेहुल लेहरू तथा प्रदेश सचिव अनुराग जैन विशेष रूप से उपस्थित रहे। कार्यक्रम के समापन पर महिलाओं के लिए जलपान की व्यवस्था की गई थी। आयोजन संपूर्ण रूप से शांतिपूर्ण एवं सुव्यवस्थित रहा।

वर्ण व्यवस्था को तोड़ना सामाजिक हानि: प्रेममूर्ति प्रेमभूषण महाराज

पटना। बिहार-मुजफ़्फ़रपुर में प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व में पानी टंकी चौक पर स्थित जनता कॉलेज परिसर में हरियाणा सेवासंघ द्वारा आयोजित नौ दिवसीय रामकथा में उमड़े जन सैलाब को प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण ने निवेदित किया कि जो जिस भाव में रहता है वह उसी में स्तंभित हो जाता है। गरूण पुराण के अनुसार सत्कर्म करने वाले लोगों के पितरों का देवलोक में सम्मान होता है। अतः पितरों की प्रसन्नता और आशीर्वाद के लिए अपने वंश परंपरा के अनुसार सत्कर्म करते हुए जीवन जीना चाहिए, लेकिन विडंबना यह है कि अब तो लोगों ने वंश की मान्यता को छोड़ ही दिया है। ऐसे लोग जाति-पाति को अब समाप्त करने पर लगे हुए हैं। ऐसे लोगों को यह जान लेना चाहिए कि यह उसके द्वारा नही बनाया गया है। वर्ण व्यस्था भगवान के द्वारा रचित है, इसी तर्क पर अर्जुन ने युद्ध करने से मना कर दिया। अर्जुन ने भगवान कृष्ण से कहा कि युद्ध में पुरूषों की हानि होने से स्त्रियां उच्चश्रृंखल हो जायेंगी। जिससे आपकी वर्ण व्यवस्था धराशायी हो जायेगी। अतः इस बात को सदैव स्मरण रखें कि मान्यताओं के बिना जीवन नही चलता।

प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि संसार में हर व्यक्ति अलग अलग वस्तु चाहता है किंतु भगवान के दरबार में जो आवश्यकता हो वही माँगना चाहिए। पीढ़ियों के लिए संग्रह करने के लिए कुछ ना मांगा जाये। जीव का स्वभाव उदार होना चाहिए। उदारता भगवान को प्रिय है, भगवान के श्रीमुख वचन हैं कि हम उदार वंश मे ही अवतार लेते हैं। जीव का कर्म उसके आचार, व्यवहार, विहार पर आधारित होता है। जीव को कम से कम सौ वर्ष तक जीना चाहिए इसके लिए नियम,संयम, व्रत, तप,सत्कर्म आदि आवश्यक होते हैं। लेकिन रुग्ण होने पर जीव की अवस्था कम हो जाती है।कलयुग के प्रभाव से जीव की आयु घटते घटते केवल 15 वर्ष ही रह जायेगी। भगवान में प्रेम,रती और गति रखने वाले को ही भगवान मुक्ति प्रदान करते हैं। उल्लेखनीय है कि एकमेव प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज जी को अपनी अनूठी भाजनात्म रामकथा गायन शैली के लिए अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ख्याति प्राप्त है।उन्हेंअपने वैशिष्ट्य के अनुरूप भजनों के गायनऔर भाव भंगिमा से ही कथा प्रस्तुत करने में महारत हासिल है,इसी भाव में प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने अपने कथा प्रवाह में "खेला करें हो खेला करें अंगनइया में रघुवर,राघव को मैना दूँगा शिव जी कागभुसिंडी लेके पोथी पत्रा कर्म करो पर ध्यान रहे पथ छूटे ना,बधाइयां बाजे आँगने में रंगीले राम लाला की बधाई हो, राघव को मै ना दूँगा जैसे भजनों की झड़ी लगाकर रामकथा में उमड़े जनसैलाब को भावविभोर कर दिया।

होम क्रेडिट इंडिया ने पेश की पहली एआई जनरेटेड फिल्म नवाचार संग आकांक्षा का संगम

मुंबई। अग्रणी कंज्यूमर फाइनेंस कंपनी, होम क्रेडिट इंडिया ने आज अपने पहले एआई आधारित कैंपेन #सपनों का नया साल को लॉन्च करने की घोषणा की है। यह कैंपेन उनके ब्रांड विचार #जिंदगी हिट! का ही एक विस्तार है। यह होम क्रेडिट इंडिया के लिए नवाचार के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है, जिसे ARM Worldwideके साथ मिलकर एक सिनेमैटिक फिल्म के रूप में विकसित किया गया है, जो बीते हुए साल की यादों को समेटते हुए आशाओं से भरे भविष्य का स्वागत करती है। यह फिल्म ब्रांड को एक 'टेक-फॉरवर्ड' और भरोसेमंद साथी के रूप में पेश करती है, जो देश भर के ग्राहकों की विविध आकांक्षाओं को कभी भी और कहीं भी पूरा करने के लिए तैयार है। यह नया कैंपेन होम क्रेडिट इंडिया के सोशल मीडिया चैनलों जैसे फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब और लिंक्डइन सहित सभी डिजिटल प्लेटफॉर्म पर लाइव हो गया है। सपनों का नया साल कैंपेन बीते साल की हर छोटी-बड़ी उपलब्धि को स्वीकार करते हुए कृतज्ञता की भावना को प्रोत्साहित करता है। साथ ही, यह ग्राहकों को आसान और सुलभ क्रेडिट समाधानों के माध्यम से उनके नए साल के संकल्पों को वास्तविकता में बदलने के लिए सशक्त बनाता है। वीडियो की शुरूआत नए साल के आगमन के आखिरी कुछ मिनटों से होती है, जिसमें सपनों और जिम्मेदारियों के बीच के आम मानवीय पलों को दशार्या गया है। नये साल के कैंपेन पर बात करते हुए, होम क्रेडिट इंडिया के चीफ मार्केटिंग ऑफिसर, आशीष तिवारी ने कहा, "एक और साल के बीतने के साथ, हम नवाचार, कृतज्ञता और ढेर सारी उम्मीदों के साथ नए साल में कदम रख रहे हैं। #सपनों का नया साल के माध्यम से, हम होम क्रेडिट इंडिया को एक ऐसे उत्प्रेरक के रूप में पेश करना चाहते हैं जो साल के अंत की कृतज्ञता और नए साल के संकल्पों को हकीकत में बदल देता है।

कामत्स लेगसी का द ग्रेट साउथ इंडियन बिरयानी फेस्टिवल

मुंबई। वर्ष के अंत को यादगार और स्वाद से भरपूर बनाने के लिए कामत्स लेगसी द ग्रेट साउथ इंडियन बिरयानी फेस्टिवल लेकर आया है। यह सीमित अवधि का विशेष फूड फेस्टिवल दक्षिण भारत की कुछ सबसे प्रतिष्ठित और लोकप्रिय शाकाहारी बिरयानियों को एक साथ प्रस्तुत करता है। यह फेस्टिवल 4 जनवरी 2026 तक वाशी, मालाड, नरिमन पॉइंट और मीरा रोड स्थित सभी कामत्स लेगसी आउटलेट्स में आयोजित किया जाएगा। परंपरा में रचा-बसा और अत्यंत सावधानी से तैयार किया गया यह फेस्टिवल, कामत्स लेगसी के शुद्ध शाकाहारी, प्रामाणिक और घर-शैली के भोजन के दर्शन के प्रति पूरी तरह समर्पित है। मेन्यू का हर व्यंजन ब्रांड की अम्मा-स्टाइल कुकिंग को दशार्ता है–यानी धीमी आंच पर पकाया गया, संतुलित मसालों से भरपूर और वही सुकून देने वाला स्वाद, जो आमतौर पर दक्षिण भारतीय घरों में मिलता है। इस

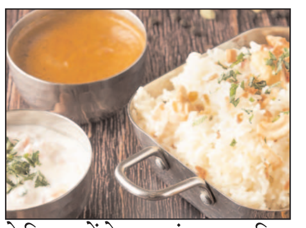

फेस्टिवल में मेहमान पांच खास दक्षिण भारतीय शाकाहारी बिरयानियों का स्वाद ले सकते हैं, जिनमें से प्रत्येक अपनी विशिष्ट क्षेत्रीय पहचान और समृद्ध विरासत को दशार्ती है। फेस्टिवल मेन्यू में हल्के मसालों और नरम कटहल से बनी अंबूर कटहल वेज बिरयानी, कर्नाटक की पारंपरिक शैली में परोसी जाने वाली गहरे और दमदार स्वाद वाली डोणे वेज बिरयानी, केरल के मालाबार तट से प्रेरित थालस्सेरी सोया बिरयानी, सुगंधित और हल्के मसालों के साथ तैयार नारियल दूध वाली वेज राइस, तथा सभी की पसंदीदा हैदराबादी पनीर बिरयानी शामिल है, जो खुशबूदार बासमती चावल और पनीर की परतों से सजी होती है।

इस अवसर पर विक्रम कामत्स हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड के प्रबंध निदेशक डॉ. विक्रम कामत ने कहा, बिरयानी को अक्सर शाही और भरपूर भोजन के रूप में देखा जाता है, लेकिन दक्षिण भारत में शाकाहारी बिरयानियों का हमेशा से एक विशेष स्थान रहा है। यह फेस्टिवल उसी परंपरा का उत्सव है। मेन्यू की हर बिरयानी को उसकी प्रामाणिकता के लिए चुना गया है और इसे उसी तरह तैयार किया जाता है, जैसे किसी पारंपरिक घरेलू रसोई में बनाया जाता है। यह सुकून देने वाला, सच्चा और ईमानदार भोजन है–जो खासकर त्योहारों के मौसम में लोगों को एक साथ लाता है। अंबूर से लेकर थालस्सेरी तक, हर क्षेत्र की अपनी अलग कहानी है, जिसे हमने एक ही मेज पर लाने का प्रयास किया है, ताकि हमारे मेहमान दक्षिण भारतीय शाकाहारी बिरयानियों की समृद्धि और विविधता का अनुभव कर सकें।

एटीएम कार्ड बदलकरखाते से निकाला 50 हजार, आरोपी गिरफ्तार

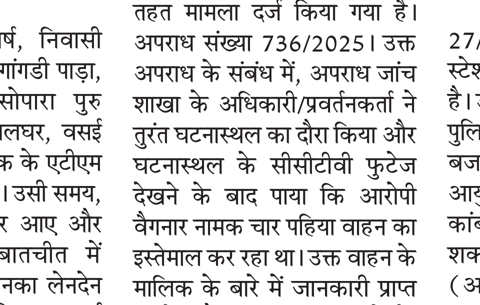

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। 21 दिसंबर 2025 को लगभग शाम 5 बजे, पालघर पुलिस स्टेशन की सीमा के भीतर, शिकायतकर्ता रामाशंकर देवकीनंदन तिवारी, उम्र 53 वर्ष, निवासी अष्टभुजाचल नं. 01, गांगडी पाड़ा, धानिव बाग, नालासोपारा पुरु तालुका, वसई जि, पालघर, वसई फाटा स्थित एक्सेस बैंक के एटीएम से पैसे निकालने गए थे। उसी समय, तीन व्यक्ति एटीएम पर आए और शिकायतकर्ता को बातचीत में उलझाकर कहा कि उनका लेनदेन सफल नहीं हुआ है, शिकायतकर्ता का एटीएम कार्ड हाथ से बदल दिया और उसे कैनरा बैंक का दूसरा एटीएम कार्ड देकर चले गए। दूसरे स्थान के एटीएम से, आरोपियों ने एटीएम कार्ड का उपयोग करके शिकायतकर्ता के बैंक खाते से 50,000 रुपये नकद निकाल लिए और उसे आर्थिक रूप से ठग लिया। शिकायतकर्ता द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर, अज्ञात आरोपी के खिलाफ पेलहार पुलिस स्टेशन में 22/12/2025 को आईपीसी की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। अपराध संख्या 736/2025। उक्त अपराध के संबंध में, अपराध जांच शाखा के अधिकारी/प्रवर्तनकर्ता ने तुरंत घटनास्थल का दौरा किया और घटनास्थल के सीसीटीवी फुटेज देखने के बाद पाया कि आरोपी वैगनार नामक चार पहिया वाहन का इस्तेमाल कर रहा था। उक्त वाहन के मालिक के बारे में जानकारी प्राप्त करने और गहन जांच करने के बाद, आरोपी मोहम्मद अफजल मोहम्मद असलम, उम्र 25 वर्ष, निवासी उल्वे, नवी मुंबई को हिरासत में लिया गया। उक्त अपराध के संबंध में गहन पूछताछ के बाद, उसने अपने दो साथियों के साथ उक्त अपराध करने की बात कबूल कर ली। आरोपी को गिरफ्तार कर लिया गया और उससे उक्त अपराध में ठगी गई राशि में से 40,000 रुपये जब्त किए गए। उक्त अपराध में इस्तेमाल की गई मारुति सुजुकी कंपनी की वैगनार कार भी जब्त कर ली गई और पेलहार पुलिस स्टेशन की अपराध जांच शाखा ने 24 घंटे के भीतर उक्त अपराध को सुलझाने में सफलता प्राप्त की। उक्त अपराध में वांछित 2 आरोपियों की तलाश जारी है और गिरफ्तार आरोपियों को 27/12/2025 को पावेटो पुलिस स्टेशन में हिरासत में भेज दिया गया है। उपरोक्त कार्य मा, सुहास बावचे, पुलिस उपायुक्त, जोन 3, विरार, मा, बजरंग देसाई, सहायक पुलिस आयुक्त, विरार डिवीजन, सचिन कांबले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, शकील शेख, पुलिस निरीक्षक (अपराध), पेलहर पुलिस स्टेशन, अपराध पहचान दल के सदस्यों सपोनी रमेश वाघचौरे, पौपानी तुकाराम भोपाले, सफौ योगेश देशमुख, पोहवा तानाजी चव्हाण, वाल्मिक पाटिल, पोना अशोक पराजने, रवि वानखेड़े, अभिजीत नेवारे, पुलिस अनमलदार वसीम शेख, अनिल वाघमारे, निखिल घोरपड़े, अमोल मस्से, पोहवा नामदेव धोणे, पुलिस अनमलदार सोहेल शेख, सभी पुलिस उपायुक्त कार्यालय, जोन 3, विरार के मार्गदर्शन में सफलतापूर्वक संपन्न किया है।

पैलाडियन पार्टनर्स ने 2025 में 9,00,000 से अधिक वर्ग फुट की बिक्री

मुंबई। पैलाडियन पार्टनर्स एडवाइजरी एलएलपी ने कैलेंडर वर्ष 2025 का समापन 9,00,000 वर्ग फुट से अधिक इन्वेंट्री की बिक्री के साथ किया। यह उपलब्धि मुंबई महानगर क्षेत्र (एमएमआर) में आवासीय और वाणिज्यिक परियोजनाओं के अंतर्गत 2,000 करोड़ से अधिक के कुल लेन-देन मूल्य में परिवर्तित हुई। यह प्रदर्शन उच्च गति वाले प्रोजेक्ट लॉन्च, उपनगरीय माइक्रो-मार्केट्स में निरंतर अंतिम-उपयोगकर्ता मांग, तथा अनुशासित मैनडेट चयन और मूल्य निर्धारण रणनीति पर आधारित निष्पादन मॉडल के कारण संभव हुआ। वर्ष का एक निर्णायक क्षण मलाड ईस्ट में चांदीवाला ग्रुप के पर्ल आइकन प्रोजेक्ट में 200 करोड़ मूल्य की इन्वेंट्री का मात्र दो घंटों में पूरी तरह बिक जाना रहा। इसके बाद अंधेरी वेस्ट स्थित प्रारंभ प्रोजेक्ट में भी एक और मजबूत प्रदर्शन देखने को मिला, जहाँ 100 करोड़ की बुकिंग दर्ज की गई। यह बुकिंग 48 घंटों के भीतर दर्ज की गई, जो इस बात को रेखांकित करती है कि जब उत्पाद संरचना, मूल्य निर्धारण और लॉन्च का समय सही रूप से मेल खाते हैं, तो बाजार में मांग कितनी गहरी होती है। प्रमुख आवासीय परियोजनाओं के अलावा, पैलाडियन पार्टनर्स ने पश्चिमी उपनगरों में बुटीक वाणिज्यिक परिसंपत्तियों और मध्य मुंबई में बड़े पैमाने वाली आवासीय परियोजनाओं में भी निरंतर बिक्री सुनिश्चित की, जिसमें मुलुंड में नीला रियल्टर्स द्वारा संचालित सेनरूफ्स जैसे सक्रिय मैनडेट्स शामिल हैं। फर्म ने 2025 में अपनी सफलता को एक सघन और सुव्यवस्थित निष्पादन ढांचे से जोड़ा। मैनडेट्स को चयनात्मक रूप से लिया गया, जहां मांग-सप्लाई की स्थितियां, पहुंच, खरीदार प्रोफाइल और उत्पाद संरचना पूर्वानुमेय बिक्री समयसीमा की अनुमति देती थीं। मूल्य निर्धारण रणनीतियाँ माइक्रो-मार्केट्स में उचित बनी रहीं, जो छूट पर आधारित दृष्टिकोण की बजाय मूल्य प्रस्तुति पर आधारित थीं। बाजार की स्थितियों ने भी गति बनाए रखने में मदद की। पश्चिमी और मध्य उपनगरों ने नवंबर 2025 में मुंबई में संपत्ति पंजीकरण का 85% हिस्सा दर्ज किया, जो शहर में उपनगरीय परिवर्तन को दशार्ता है।

चौथे शेकोटी सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर अलका दराड़े, स्वागताध्यक्ष पद पर सुनंदा पाटील का चयन

नासिक। गिरणा गौरव प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित चौथे अखिल भारतीय शेकोटी लोककला साहित्य सम्मेलन के अध्यक्ष पद पर वरिष्ठ साहित्यकार अलका दराड़े तथा स्वागताध्यक्ष पद पर वरिष्ठ कवयित्री सुनीता पाटील का चयन किया गया है। यह सम्मेलन मखमलाबाद रोड स्थित भावबंधन मंगल कार्यालय में शिक्षणमहर्षि एड. संभाजीराव पगारे साहित्य नगरी में 17 और 18 जनवरी को आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्घाटन तमाशा सम्राट भीमा सांगवीकर के कर-कमलों द्वारा होगा। 17 जनवरी को शाम 7 बजे से सुबह 6 बजे तक चलने वाले शेकोटी कवि सम्मेलन की अध्यक्षता संवेदनशील साहित्यकार विवेक उगलमुगले करेंगे। वहीं, लावणी प्रतियोगिता का उद्घाटन प्रसिद्ध लावणी सम्राज्ञी रेशमा परितेकर के हाथों संपन्न होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ साहित्यकार प्रो. डॉ. शंकर बोऱ्हाडे, इस वर्ष के लोककला गौरव पुरस्कार से सम्मानित गणेश चंदनशिवे तथा लावणी सम्राज्ञी माधुरी पवार भी उपस्थित रहेंगी। पिछले तीन सम्मेलनों की तरह इस वर्ष भी विविध सांस्कृतिक व साहित्यिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया है। सम्मेलन के चयनित अध्यक्ष एवं स्वागताध्यक्ष का सम्मान समारोह शुक्रवार, 26 दिसंबर को सायं 6:30 बजे हुतात्मा स्मारक में आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर नासिक कवी संस्था के अध्यक्ष इंजि. बालासाहेब मगर, जयप्रकाश जातेगांवकर, संजय करंजकर, प्रविण जोशी, वरिष्ठ उद्योजक उत्तमराव शिंदे, पूर्व विधायक नानासाहेब बोरस्ते, मविप्र के महासचिव एड. नितीन ठाकरे, प्रो. सुमती पवार, प्राचार्य प्र. द. कुलकर्णी, मुक्तेश्वर मुनशेट्टीवार सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। इस सम्मान समारोह में उपस्थित रहने का आह्वान विशाल टर्ले, किरण सोनार, मधुकर गिरी, सोमनाथ साखरे, तुकाराम ढिकले, प्रो. राजेश्वर शेळके, दशरथ झनकर, शीतल कुयटे, भाग्यश्री चौधरी, पूजा दंडगव्हाळ, आशा गोवर्धने, रविकांत शार्दुल, संजय आहेर और प्रशांत कापसे ने किया है।

नववर्ष और त्योहारों में डार्क चॉकलेट बादाम ऑरेंज केक का नया ट्रेंड

पटना। नववर्ष और त्योहारों के अवसर पर स्वाद और सेहत का संतुलित मेल पेश करता है डार्क चॉकलेट बादाम ऑरेंज केक। शेफ कविता सिंह द्वारा तैयार यह खास रेसिपी बादाम के आटे, डार्क चॉकलेट, ताजे संतरे के जेस्ट और मेपल सिरप से बनी है, जो पारंपरिक फेस्टिव बेकिंग को एक हेल्दी और मॉडर्न रूप देती है। घी और अंडों से बेक किया गया यह केक नरम, नमी से भरपूर और रिच चॉकलेट-सिट्रस फ्लेवर से युक्त है, जो जश्न के पलों को और खास बनाता है। त्योहारों में संतुलित खानपान पर जोर देते हुए मैक्स हेल्थकेयर की रीजनल हेडझ्रडायटेटिक्स, रितिका सामद्दार ने कहा कि कैलिफोर्निया बादाम प्रोटीन, फाइबर, अच्छे वसा, विटामिन ई और आवश्यक खनिजों का प्राकृतिक स्रोत हैं। ये हृदय स्वास्थ्य को समर्थन देते हैं, ऊर्जा बनाए रखते हैं और तृप्ति प्रदान करते हैं, जिससे त्योहारों के दौरान भी समझदारी से खाने का विकल्प मिलता है। विधि के अनुसार, सबसे पहले बादाम का आटा, बेकिंग पाउडर और नमक मिलाकर सूखी सामग्री तैयार की जाती है।

नवीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी फ्लोरा एवं फौना का न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने किया उद्घाटन

प्रयागराज (उत्तरशक्ति)। न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने खानम आर्ट गैलरी में नवीं राष्ट्रीय कला प्रदर्शनी फ्लोरा एवं फौना का फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलित कर भव्य उद्घाटन किया। मुख्य अतिथि एवं गेस्ट ऑफ ऑनर में दिल्ली के प्रसिद्ध कलाकार अशोक तिवारी, राज्य ललित कला अकादमी के सदस्य विख्यात कलाकार रवीन्द्र कुशवाहा, कानपुर के मशहूर कलाकार सुमित ठाकुर, प्रयागराज के एमिनेंट आर्टिस्ट तलत महमूद को खानम गैलरी की निदेशक डॉ. जाहेदा खानम ने पुष्पगुच्छ, सम्मापत्र, मेडल एवं गमला प्रदान कर मंच पर सम्मानित किया। मुख्य अतिथि न्यायमूर्ति सुधीर नारायण ने खानम आर्ट गैलरी की सफलता के 5 वर्ष पूर्ण होने पर सराहना करते हुए कहा कि गैलरी प्रयागराज में देश भर के बड़े कलाकारों का सम्मान करते हुए नवोदित कलाकारों को भी एक ऐसा अद्भुत मंच प्रदान किया है जिससे उनकी प्रतिभा निखारने तथा उनके अद्भुत कला कौशल को कला जगत में पहचान दिलाया है जिसके लिए खानम गैलरी की निदेशक डॉ जाहेदा खानम ने अथक परिश्रम किया है। मुख्य अतिथि एवं अन्य विशिष्ट अतिथियों ने गैलरी द्वारा निःशुल्क कराई गई अनेक कला प्रतियोगिताओं के प्रथम द्वितीय एवं तृतीय पुरस्कार प्राप्त बच्चों को मेडल एवं ट्रॉफी प्रदान किया। इस राष्ट्रीय प्रदर्शनी में देशभर के 25 मानिंद कलाकारों की 50 कलाकृतियां प्रदर्शित है। प्रदर्शनी के कैटलाग का लोकार्पण समापन समारोह में एक जनवरी 2026 को होगा।

तुंगारेश्वर में भाजपा का विस्तार, बड़ी संख्या में नागरिकों ने ली पार्टी की सदस्यता

वसई। तुंगारेश्वर स्थित श्री मंगलमूर्ति सहकारी आवास सोसायटी लिमिटेड के कई निवासियों ने सार्वजनिक रूप से भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। देश के लोकप्रिय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के मार्गदर्शन में केंद्र और राज्य सरकार द्वारा संचालित जनकल्याणकारी एवं विकासोन्मुखी योजनाओं से प्रभावित होकर इन नागरिकों ने भाजपा परिवार में शामिल होने का निर्णय लिया।

इस अवसर पर वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित की प्रमुख उपस्थिति में पार्टी प्रवेश कार्यक्रम संपन्न हुआ। नागरिकों ने सरकार की पारदर्शी कार्यप्रणाली, त्वरित निर्णय क्षमता और विकास कार्यों के प्रति अपने क्रियान्वयन पर विश्वास जताते हुए भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

पार्टी में शामिल होने वालों में शिवम यादव, सतेंद्र सिंह, अंगद यादव, पंकज तिवारी, सुशांत साहू, अजीत सिंह, राजीव साहू, धर्मेंद्र मिश्रा, बिरजेश यादव, घनश्याम पाठक, अरविंद पाल, तेजवीर राठौड़, पंकज सिंह, आकाश कवचे, दुर्गा प्रसाद पाठक, सोहम पाठक, संदीप यादव, अमरसिंह राठौड़, सत्यम पांडे, सुजीत मौर्या, समर यादव, शंभू नंदी, सुरेश शुक्ला, अविनाश मिश्रा, अमन यादव सहित अनेक नागरिक शामिल रहे।

इसके साथ ही सुश्री सोनल पलांडे, श्रीमती निधि यादव, श्रीमती अंजलि यादव, श्रीमती सुनीता पाठक, किरण सिंह, शिवाजी नलावड़े, श्रीमती नीतू राजभर, श्रीमती रजनी सिंह, श्रीमती जयश्री सूर्यवंशी, धरम राजभर, आनंद सूर्यवंशी, जितेंद्र यादव, श्रीमती प्रीति नलावड़े, श्रीमती चिंता सिंह, कन्हैया प्रसाद, मनोज चौहान, संजय चौहान, धनंजय सिंह, शिवराम ओझा, श्रीमती चंदना मिश्रा, चंद्रदीप मौर्या, संदीप खरवार, श्रीमती सोनी साव, श्रीमती सुनीता शुक्ला, विक्रम रुघवानी, सुधीर पाठक सहित कई अन्य नागरिकों ने भाजपा की सदस्यता ली। कार्यक्रम में भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजू म्हात्रे, जिला सचिव अश्विन सावरकर, वसई पूर्व वालिव मंडल अध्यक्ष सूर्यकांत वाघमारे, वसई पूर्व वालिव मंडल युवा मोर्चा अध्यक्ष प्रवेश दुबे सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे। इस अवसर पर विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने सभी नवप्रवेशित सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी का मुख्य उद्देश्य वसई विधानसभा क्षेत्र का समग्र विकास, बेहतर बुनियादी सुविधाएं, पारदर्शी प्रशासन और हर नागरिक को न्याय दिलाना है। सभी कार्यकर्ताओं के सहयोग से वसई के विकास को और तेज गति दी जाएगी।

वाराणसी में सुबह भी होगी मां गंगा की भव्य आरती, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट की पहल

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में नए साल में काशीवासियों और श्रद्धालुओं को सुबह-ए-बनारस के वक्त भी मां गंगा की दिव्य आरती देखने का अवसर मिलेगा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट की ओर से यह पहल की गई है। नमो घाट पर अर्चकों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के साथ मां गंगा की आरती उतारी जाएगी। इससे श्रद्धालुओं और काशीवासियों को आध्यात्मिक अनुभव प्राप्त होगा। सुबह की गंगा आरती का उद्देश्य श्रद्धालुओं को प्रातःकाल गंगा दर्शन और आरती का लाभ देना है। इस नई व्यवस्था के तहत नमो घाट पर सुबह गंगा आरती का अभ्यास भी शुरू कर दिया गया है। अधिकारियों के मुताबिक, जल्द ही यह आरती नियमित रूप से प्रारंभ कर दी जाएगी।

अब तक नमो घाट पर केवल शाम के समय गंगा आरती का आयोजन होता रहा है, जिसमें प्रतिदिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक शामिल होते हैं। अनुमान है कि रोजाना करीब दो से तीन हजार श्रद्धालु इस आरती में सहभागिता करते हैं। दीपों, मंत्रोच्चार और वैदिक विधि से होने वाली गंगा आरती काशी की पहचान बन चुकी है। नई व्यवस्था के लागू होने के बाद नमो घाट देश का ऐसा प्रमुख घाट बन जाएगा, जहां सुबह और शाम दोनों समय गंगा आरती होगी। माना जा रहा है कि इससे न केवल धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, बल्कि वाराणसी की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पहचान भी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर और मजबूत होगी।

वसई में हिंदू महासम्मेलन की भव्य तैयारी, 3 जनवरी को होगा आयोजन

वसई । वसई पश्चिम स्थित श्री अयप्पा मंदिर में शनिवार, 3 जनवरी 2026 को हिंदू महासम्मेलन सनातन धर्म सभा का भव्य आयोजन किया जाएगा। इस महासम्मेलन का उद्देश्य सनातन धर्म की रक्षा, हिंदू समाज की एकता और वैश्विक स्तर पर हिंदुओं के सामने आ रही चुनौतियों पर विचार-विमर्श करना है। कार्यक्रम का उद्घाटन सुबह 9 बजे होगा। इसके बाद शाम 5 बजे स्टेला से अयप्पा मंदिर तक संतों की रथयात्रा निकाली जाएगी। शाम 6 बजे संतों की पूजा के साथ समापन सत्र आयोजित किया जाएगा। इस अवसर पर देशभर से अनेक प्रतिष्ठित संत, महामंडलेश्वर, धर्मगुरु और हिंदू विचारक उपस्थित रहेंगे। प्रमुख वक्ताओं में महामंडलेश्वर स्वामी आनंदवनम भारती, वैदिक प्रवक्ता मीनाक्षी सहरावत, श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी शिवलक्ष्मी नंदगिरी, कैलाशगिरी महाकाल बाबा (उत्तर प्रदेश), स्वामी निर्भयानंद जी (चिन्मय मिशन, वसई), स्वामी भरतानंद सरस्वती महाराज (अखिल भारतीय संत समिति, महाराष्ट्र) सहित अनेक संत-महंत शामिल होंगे।

आयोजक एवं सनातन धर्म सभा, वसई के अध्यक्ष उत्तम कुमार ने बताया कि महासम्मेलन की तैयारियां जोरों पर हैं। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हुई हालिया हिंसक घटनाएं पूरे हिंदू समाज के लिए चेतावनी हैं। ऐसे हालात में हिंदू समाज को अपने मतभेद भुलाकर एकजुट और संगठित होने की आवश्यकता है। महासम्मेलन में सनातन धर्म के दर्शन, हिंदू समाज की एकता, आत्म-सम्मान और सुरक्षा जैसे विषयों पर गहन चर्चा की जाएगी। साथ ही, भविष्य में संभावित संकटों से निपटने के लिए समाज को किस तरह तैयार रहना चाहिए, इस पर भी मार्गदर्शन दिया जाएगा। उत्तम कुमार ने वसई-विरार और पालघर जिले के सभी हिंदू नागरिकों से बड़ी संख्या में इस महासम्मेलन में शामिल होने की अपील की है।

नालासोपारा ईस्ट में भाजपा को मिला जनसमर्थन, कई कार्यकर्ता पार्टी में हुए शामिल

नालासोपारा। नालासोपारा ईस्ट के गालानगर और अचोले क्षेत्रों से विभिन्न राजनीतिक दलों के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता आज भारतीय जनता पार्टी की जनकल्याणकारी नीतियों पर विश्वास जताते हुए आधिकारिक रूप से भाजपा में शामिल हुए। यह कार्यक्रम नालासोपारा विधायक राजन नाईक की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस अवसर पर नरेंद्र सोनी सहित कई कार्यकताओं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। पार्टी में शामिल हुए कार्यकताओं ने देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में हो रहे विकास कार्यों तथा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के प्रगतिशील और सक्षम नेतृत्व से प्रेरित होकर भाजपा से जुड़ने का निर्णय लिया। विधायक राजन नाईक ने नवप्रवेशी कार्यकताओं का स्वागत करते हुए कहा कि अन्य दलों से जुड़े लोगों के भाजपा में शामिल होने से नालासोपारा ईस्ट के वार्ड नंबर 17 में पार्टी की संगठनात्मक शक्ति और अधिक मजबूत होगी। उन्होंने विश्वास जताया कि सभी कार्यकर्ता मिलकर क्षेत्र के विकास और जनसेवा के लिए समर्पित भाव से कार्य करेंगे।

शिक्षकों के मान-सम्मान की रक्षा के लिए हर संघर्ष को तैयार है यूटा : डॉ. हेमंत सिंह

केराकत में यूटा की शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी एवं शिक्षक अधिवेशन संपन्न

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) के प्रांतीय महामंत्री एवं जनपद अध्यक्ष डॉ. हेमंत कुमार सिंह ने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शिक्षकों के सम्मान और स्वाभिमान से किसी भी कीमत पर खिलवाड़ नहीं होने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि यदि आवश्यकता पड़ी तो शिक्षक समाज के मान-सम्मान की रक्षा के लिए हर स्तर पर संघर्ष किया जाएगा और किसी भी दबाव के आगे झुका नहीं जाएगा।

डॉ. हेमंत सिंह गुरुवार को सैनिक गिरिजा शंकर महाविद्यालय परिसर में आयोजित यूटा जनपद इकाई की खंड स्तरीय शैक्षिक उन्नयन गोष्ठी एवं शिक्षक अधिवेशन को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि उनका सपना भयमुक्त एवं भ्रष्टाचार मुक्त शिक्षक समाज का निर्माण करना है। शिक्षकों को जो भी क्षति पहुंची है, उसके लिए बाहरी ताकतों से ज्यादा स्वयं शिक्षक समाज के कुछ स्वार्थी लोग जिम्मेदार रहे हैं। उन्होंने दावा किया कि यूटा संगठन बिना किसी लालच और स्वार्थ के पूरी निष्ठा से शिक्षक हितों के लिए कार्य करता है। संगठन द्वारा निःशुल्क सहयोग और संघर्ष की नीति के चलते बड़ी संख्या में शिक्षक यूटा से जुड़ रहे हैं, जो संगठन की मजबूती का प्रमाण है। इस अवसर पर डॉ. हेमंत सिंह ने केराकत विकासखंड इकाई के गठन की घोषणा करते हुए विभिन्न पदाधिकारियों को मनोनीत किया। ब्लॉक संरक्षक सुनील कुमार कनौजिया, ब्लॉक संयोजक राजकुमार सिंह, ब्लॉक अध्यक्ष महेंद्र कुमार यादव, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक गिरी, उपाध्यक्ष अमित कुमार चौरसिया, महामंत्री अशोक कुमार पाल, संगठन मंत्री मनोज कुमार मौर्य, कोषाध्यक्ष छेदीलाल, मीडिया प्रभारी राजेश यादव, ब्लॉक प्रवक्ता शैलेंद्र कुमार भास्कर नवनियुक्त सभी पदाधिकारियों को बधाई देते हुए उन्होंने ईमानदारी, निष्ठा और जिम्मेदारी के साथ संगठन के दायित्वों के निर्वहन का आह्वान किया। कार्यक्रम का संचालन सुनील कुमार कनौजिया ने किया।

पदोन्नति पर सहकर्मियों ने दी बधाई

केराकत, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल कृष्णदत्त शुक्ल को हेड कॉंस्टेबल से उपनिरीक्ष बनाये जाने पर पूरे कोतवाली का माहौल गुरुवार को पूरे दिन खुशनुमा रहा। वही साथी को पदोन्नति देकर उपनिरीक्षक बनाए जाने पर पुलिस महकमे में हर्ष का माहौल रहा। इस अवसर पर साथी पुलिसकर्मियों ने एक-दूसरे का मुंह मीठा कर खुशी जाहिर की और कृष्ण दत्त शुक्ल को बधाई दी। कार्यक्रम के दौरान प्रभारी निरीक्षक दीपेंद्र सिंह ने कृष्णदत्त शुक्ल के कंधों पर सितारे लगाकर उन्हें नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। साथ ही बेहतर पुलिसिंग, अनुशासन और आमजन की सुरक्षा के प्रति निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ दिलाई। पुलिसकर्मियों ने विश्वास जताया कि उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नत होने के बाद कृष्णदत्त शुक्ल अपने दायित्वों का ईमानदारी और समर्पण के साथ निर्वहन करेंगे। इस अवसर पर हेड कॉंस्टेबल राकेश कुमार सिंह, हेड कॉंस्टेबल रणजीत सिंह, हेड कांस्टेबल रविवार प्रताप सिंह, कॉंस्टेबल मिथिलेश राजभर समेत पूरा पुलिस स्टाप उपस्थित रहा।

ब्राह्मण एकता मंच का सम्मान समारोह संपन्न

मुंबई। ब्राह्मण एकता मंच एवं चैरिटी ट्रस्ट का वार्षिकोत्सव व सम्मान समारोह मालाड पश्चिम स्थित अस्पी आडिटोरियम मुंबई में धूमधाम से संपन्न हुआ। स्वामी कैलाशपुरी महाकाल बाबा, पूर्व सांसद गजानन कीर्तिकर, सिद्धिविनायक मंदिर के कोषाध्यक्ष आचार्य पवन त्रिपाठी, सुभाष शर्मा (डीआईजी सीआरपीएफ) और पूर्व कमिश्नर के.एस. मिश्र के आतिथ्य में आयोजित सम्मान समारोह में डॉ सागर त्रिपाठी (साहित्यकार), चंद्र किशोर शर्मा (पत्रकार लखनऊ), डॉ ओमप्रकाश दूबे (संस्थापक आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज), पं.उमेश दूबे (भवन निमार्ता), धमार्नुरागी रामदेव (मुन्ना पांडेय को ब्राह्मण भूषण सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ ही मुंबई विश्वविद्यालय के हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ करुणा शंकर उपाध्याय, समाजसेवी संजय मिश्रा, राममंदिर वैष्णव आश्रम के ट्रस्टी लक्ष्मण द्विवेदी, समाजसेवी डॉ अमर मिश्र, विवान कारूलकर, पं. अभिषेक दूबे, एड् विपिन दूबे, पटकथा लेखक बृजमोहन पांडेय, पं. हर्षित मिश्र, को ब्राह्मण गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वीरेंद्र याज्ञिक,, डॉ अमर नाथ मिश्र, जीएसटी कमिश्नर विवेक पांडेय, डॉ राधेश्याम तिवारी, पं. अरुण मिश्रा, यूबीटी शिवसेना के प्रवक्ता आनंद दूबे, पं.विद्याधर मिश्र, शिक्षानुरागी पं.दिनेश त्रिपाठी, रमेश मिश्र, डॉ दयानंद तिवारी, पं. मधुसूदन द्विवेदी, प्रभाकर चंद्र शेखर शुक्ल, गौरी शंकर तिवारी,गौरी शंकर चौबे, वागीश दूबे, संतोष तिवारी, आनंद मिश्र, उमाकांत तिवारी, एड् अशोक दूबे सहित भारी संख्या में ब्राह्मण समाज के लोग उपस्थित थे। इससे पूर्व ब्राह्मण एकता मंच एवं चैरिटी ट्रस्ट के अध्यक्ष पं. मिथिलेश मिश्र, उपाध्यक्ष प्रमोद उपाध्याय, सचिव राम ललित मिश्र व कमलेश तिवारी,एड् विनय कुमार दुबे, एड् विनोद पाठक ने अतिथियों का शाल व स्मृति चिन्ह से स्वागत किया। इससे पूर्व आयोजित कवि सम्मेलन में फिल्मी गीतकार विनोद दूबे, सुरेश शुक्ल, कुसुम तिवारी,राजेश दुबे अल्हड़ ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन हास्य कवि सुरेश मिश्र व पत्रकार शिवपूजन पांडेय ने किया।

विद्या विकासिनी हाईस्कूल के एनुअल डे में विधायक स्नेहा दुबे पंडित हुईं सम्मानित

वसई। वसई पश्चिम स्थित विद्या विकासिनी इंग्लिश हाई स्कूल एवं जूनियर कॉलेज में आयोजित एनुअल डे समारोह (2025-26) बड़े उत्साह और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। इस अवसर पर वसई की लोकप्रिय विधायक स्नेहा दुबे पंडित मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं। कार्यक्रम के दौरान स्कूल प्रबंधन की ओर से स्नेहा दुबे पंडित का सम्मान किया गया। समारोह में विद्यार्थियों द्वारा प्रस्तुत रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने भारत की समृद्ध विरासत, प्रतिभा और संस्कारों का सुंदर प्रदर्शन किया। नृत्य, संगीत और नाट्य प्रस्तुतियों ने उपस्थित सभी अतिथियों का मन मोह लिया। अपने संबोधन में स्नेहा दुबे पंडित ने विद्यार्थियों की प्रतिभा और स्कूल के शिक्षकों एवं स्टाफ के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि ऐसे कार्यक्रम छात्रों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और भारतीय संस्कृति से जुड़ाव को मजबूत करते हैं। उन्होंने स्कूल की पूरी टीम और विद्यार्थियों पर गर्व व्यक्त करते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। समारोह का समापन उत्साह और प्रेरणादायक माहौल के साथ हुआ। अगर चाहें तो मैं इसे और छोटा, सोशल मीडिया पोस्ट, या हेडलाइन + ब्रेकिंग न्यूज स्टाइल में भी तैयार कर सकता हूँ।

प्रदेश स्तरीय महिला खेल समारोह का दूसरा दिन

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। क्रीड़ा अधिकारी ने अवगत कराया है कि इन्दिरा गांधी स्पोर्ट्स स्टेडियम सिद्दीकपुर में भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी बाजपेयी जी के जन्म शताब्दी वर्ष पर प्रदेश स्तरीय महिला वॉलीबाल एवं खो-खो प्रतियोगिता के दूसरे दिन के मुख्य अतिथि मा0 जिला पंचायत सदस्य, जौनपुर श्यामबाबू यादव एवं विशिष्ट अतिथि डी0 पाथार्डीकर, चीफ वार्डेन, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय जौनपुर के रूप में डॉ0 अविनाश उपस्थित थे। द्वय अतिथिगण को चन्दन सिंह, क्रीड़ा अधिकारी द्वारा पुष्पगुच्छ एवं अंगवस्त्रम प्रदान कर सम्मानित किया गया। दोनो अतिथियों द्वारा आयोजित हो रहे वॉलीबाल एवं खो-खो मैच को देखा गया तथा खेल की बारीकियों से क्रीड़ा अधिकारी एवं प्रशिक्षकगण से चर्चा की गयी एवं स्टेडियम हो रहे विकास कार्यो की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी। अन्त में क्रीड़ा अधिकारी द्वारा अतिथिगण को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। मैच के दूसरे दिन खो-खो में क्वार्टर फाइनल का पहला मैच गोरखपुर एवं कानपुर के मध्य खेला गया जिसमें गोरखपुर की टीम 14-1 अंको से विजयी हुई। दूसरा मैच आजमगढ़ एवं प्रयागराज के मध्य खेला गया जिसमें आजमगढ़ की टीम 3-2 अंक से विजयी हुई। तीसरा मैच वाराणसी एवं मुरादाबाद के मध्य खेला गया जिसमें वाराणसी की 07-02 अंकों से विजेता हुई। चौथा मैच बस्ती एवं मिजार्पुर के मध्य खेला

भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के पुण्यतिथि पर कांग्रेसियों ने श्रद्धासुमन अर्पित किए

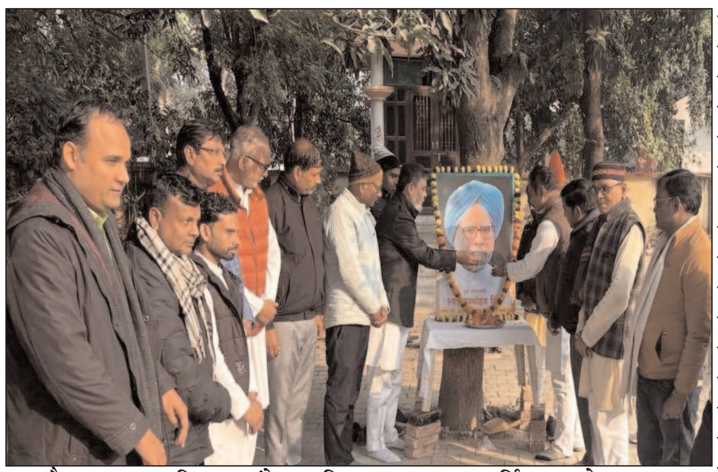

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। कांग्रेस जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह बताया की डा. मनमोहन सिंह भारत के युग पुरुष थे। देश के पूर्व प्रधानमंत्री डॉ.मनमोहन सिंह के पुण्य तिथि पर जिलाध्यक्ष डॉ.प्रमोद कुमार सिंह के नेतृत्व में मल्हनी विधानसभा क्षेत्र के शिवापार गांव में शोक सभा का आयोजन किया गया उक्त अवसर पर उपस्थित कांग्रेस जन ने भारत के पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह के चित्र पर पुष्प अर्पित करके श्रद्धांजलि दी।

जिलाध्यक्ष डा. प्रमोद कुमार सिंह ने कहा कि मनमोहन सिंह सादगी, धैर्य, निस्वार्थ सेवा और शालीनता का व्यवहार सदैव हर कांग्रेस कार्यकर्ता को प्रेरणा देता रहेगा। उन्होंने कहा कि भारत की अर्थव्यवस्था की खिड़कियां दुनिया के लिए खोलने का काम आर्थिक उदारीकरण का दौर देश के वित्त मंत्री के रूप में किया। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री के रूप में मनरेगा जैसी क्रांतिकारी स्कीम देश में लागू कर ग्रामीण भारत के युवाओं के लिए रोजगार का रास्ता बनाया। कांग्रेस शहर अध्यक्ष आरिफ खान ने कहा की डा. मनमोहन सिंह ने एतिहासिक कार्य किया है जब पूरा विश्व आर्थिक समस्या से जूझ रहा था तब देश को आर्थिक समस्या से उबारने का कार्य किया। जिला उपाध्यक्ष राकेश सिंह डब्बू ने कहा कि डॉ मनमोहन सिंह ने न केवल भारत का मान बल्कि पूरी दुनिया में मान सम्मान बढ़ाया और भारत की अर्थव्यवस्था को बुलंदियों तक पहुंचाने का काम किया। सभा में उपस्थित प्रदेश सचिव पंकज सोनकर, शेर बहादुर सिंह, विनय तिवारी, अरुण शुक्ला, शिव मिश्रा, इरशाद खान, रामसिंह बांकुरे,के.पी प्रजापति,बेलाल अहमद, अनिरुद्ध पटेल,मो ताहिर,मो इकबाल आदि उपस्थित रहे।

फुलवरिया ओवरब्रिज पर भीषण सड़क हादसा, तीन वाहन आपस में टकराए

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद में 26 दिसंबर 2025 को रात करीब 8:15 बजे लहरतारा चौकी क्षेत्र अंतर्गत फुलवरिया ओवरब्रिज पर एक गंभीर सड़क दुर्घटना हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही लहरतारा चौकी इंचार्ज पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। मौके पर जांच में पता चला कि स्कॉर्पियो , स्कोडा कार और एक मोटरसाइकिल के बीच टक्कर हो गई। टक्कर इतनी तेज थी कि मोटरसाइकिल चालक संतुलन खोकर ओवरब्रिज से नीचे गिर गया और गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने तत्काल राहत कार्य करते हुए सभी घायलों को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर, बीएचयू भेजवाया। हादसे के कारण कुछ देर के लिए यातायात भी प्रभावित रहा। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

नर्सिंग कॉलेज की छत से गिरकर श्रमिक की हुई मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। गौराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के नयनसंड में स्थित एक नर्सिंग कॉलेज में पेंटिंग कर रहा श्रमिक की छत से गिरकर मौत हो गई। सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि शुक्रवार शाम लगभग 4:00 बजे दूसरे तल पर सफेदी कर रहा श्रमिक मनीष कुमार यादव उम्र लगभग 35 वर्ष पुत्र छोटे लाल यादव निवासी बेहराकापूरा थाना के गौरा बादशाहपुर उक्त कॉलेज में सफेदी करते-करते अचानक नीचे गिर पड़ा। वहां काम कर रहे अन्य श्रमिक दौड़कर आए और उसे उठाकर पास के स्वास्थ्य केंद्र पर ले गए जहां चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल भेज दिया। जिला अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सक ने उसे मृत्यु घोषित कर दिया। जैसे ही इस घटना की खबर मनीष यादव के घर पहुंची पूरा परिवार रोता बिलखता हुआ जिला अस्पताल पहुंच गया। परिजन ने बताया कि श्रमिक का बड़ा लड़का आदर्श यादव 5 वर्ष का है और उसका दूसरा लड़का कल्लू यादव 3 वर्ष का है। जिस कॉलेज में यह घटना घटित हुई है वह एक महिला चिकित्सक का बताया गया है।

श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ के तीसरे दिन से श्रद्धालु भक्ति रस से हुए ओत-प्रोत

मुंबई। कांदिवली (पूर्व) में आयोजित श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ के तृतीय पावन दिवस पर जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज के प्रेरक प्रवचनों से संपूर्ण वातावरण भक्ति, शांति और वैदिक चेतना से परिपूर्ण हो उठा। श्रद्धालुओं ने भागवत कथा के माध्यम से जीवन को सरल, सात्त्विक और सार्थक बनाने वाले संदेशों को आत्मसात किया। अपने सहज प्रवचन में स्वामी जी ने कहा कि सनातन परंपरा में संकल्प का विशेष महत्व है। बिना संकल्प के किया गया कर्म दिशाहीन हो जाता है। भारतीय मनीषा में कहा गया है कि संकल्पो हि मनुष्याणां कारणं बन्धमोक्षयोः। (संकल्प ही मनुष्य के बंधन और मुक्ति का कारण है।)

स्वामी जी ने गीता के माध्यम से समझाया कि अहंकार और वासना मनुष्य के सबसे बड़े शत्रु हैं। विषयों का अधिक चिंतन मन को अस्थिर कर देता है। गीता का प्रसिद्ध कथन है– सङ्गात संजायते कामः। (आसक्ति से वासना उत्पन्न होती है।)

उन्होंने बताया कि वासना से क्रोध और फिर विवेक का नाश होता है। यही बात तुलसीदास जी ने रामचरितमानस में अत्यंत सरल शब्दों में कही है– काम क्रोध मद लोभ सब नाथ नरक के पंथ।

स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी ने कहा कि जब मन वासना और अहंकार से घिर जाता है, तब व्यक्ति उचित-अनुचित का भेद भूल जाता है। मानस में स्पष्ट कहा गया है–

जाके प्रिय न राम बैदेही, तजिए ताहि कोटि बैरी सम।

अर्थात जो राम (धर्म और मयार्दा) के प्रिय नहीं हैं, उनसे दूरी ही श्रेयस्कर है। सत्संग के महत्व को रेखांकित करते हुए स्वामी जी ने कहा कि संगति मनुष्य के जीवन को गढ़ती है। इस संदर्भ में संस्कृत का प्रसिद्ध सूत्र है–

सत्संगत्वे निस्संगत्वं। (सत्संग से आसक्ति का नाश होता है।)

और तुलसीदास जी कहते हैं–

बिनु सतसंग विवेक न होई।

स्वामी जी ने कहा कि भागवत कथा और सत्संग मनुष्य को भोग से योग, अहंकार से सेवा और अशांति से शांति की ओर ले जाते हैं।

कार्यक्रम का आयोजन एडवोकेट जे. डी. सिंह, राम मणि मिश्र, ओम प्रकाश सिंह, हरिश्चंद्र शुक्ल, प्रमोद दुबे, डॉ. दिनकर दुबे, संचित यादव, अनिल पांडेय, सूरज प्रताप सिंह देवड़ा सहित अन्य सहयोगियों द्वारा किया जा रहा है। उक्त आशय की जानकारी प्रो. दयानंद तिवारी प्रवक्ता, काशी धर्म पीठ द्वारा दी गयी है।